पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

सोनाक्षी का पपराजी पर निकला गुस्सा

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

उल्हास विकास

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 118 ■ गुरुवार 16 जुलाई 2026 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

वालधुनी पूल पर टेम्पो की टक्कर से गिरा बैरिकेड्स

■ एक सप्ताह में दूसरी घटना

कल्याण. कल्याण के वालधुनी फ्लाईओवर पर एक बार फिर बड़ा हादसा टल गया। बुधवार तड़के तेज रफ्तार टेम्पो की जोरदार टक्कर से फ्लाईओवर पर लगाए गए हाइट बैरिकेड्स टूटकर नीचे गिर गए। राहत की बात यह रही कि घटना सुबह के शुरुआती समय में हुई, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

गौरतलब है कि महज एक सप्ताह के भीतर यह दूसरी घटना है, जब वालधुनी फ्लाईओवर पर ऊंचाई नियंत्रक बैरिकेड्स क्षतिग्रस्त हुए हैं। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं ने फ्लाईओवर की सुरक्षा व्यवस्था और यातायात नियंत्रण पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब फ्लाईओवर पर भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध है, तब तेज रफ्तार टेम्पो वहां तक पहुंचा कैसे? यदि प्रवेश पर प्रभावी निगरानी और रोकथाम की व्यवस्था होती, तो इस तरह की घटना को रोका जा सकता था।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि हादसा व्यस्त समय में होता तो बैरिकेड्स गिरने से बड़ा जान-माल का नुकसान हो सकता था। लोगों ने प्रशासन से फ्लाईओवर पर भारी वाहनों के प्रवेश पर सख्ती से रोक लगाने, निगरानी बढ़ाने और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। लगातार दूसरी बार हुई इस घटना ने संबंधित विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में केवल बैरिकेड्स बदलने तक सीमित रहता है या फिर भारी वाहनों की अवैध आवाजाही रोकने के लिए ठोस कदम भी उठाता है।

211 करोड़ के पानी प्रकल्प को मंजूरी

■ उल्हासनगर शहर में पानी की समस्या होगी हल

■ अमृत योजना 2.0 के तहत होगा कार्य

■ उल्हासनगर में जलापूर्ति व्यवस्था होगी मजबूत

उल्हासनगर. केंद्र सरकार के अमृत 2.0 मिशन के तहत उल्हासनगर महानगर पालिका के लिए 211.06 करोड़ रुपये के एक बड़े वॉटर सप्लाई प्रोजेक्ट को मंज़ूरी दी गई है। यह प्रोजेक्ट शहर की भविष्य की बढ़ती पानी की ज़रूरतों को ध्यान में रखकर लागू किया जाएगा, और यह लंबे समय में उल्हासनगर के वॉटर सप्लाई सिस्टम को मज़बूत करने की दिशा में एक बहुत ज़रूरी कदम होगा।

केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित अमृत 2.0 मिशन के तहत, देश भर के शहरी इलाकों में वॉटर सप्लाई, सीवेज सिस्टम, झीलों को फिर से ज़िंदा करने और ग्रीन एरिया बनाने जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने पर ज़ोर दिया गया है। इस मिशन के तहत उल्हासनगर मनपा के लिए मंज़ूर इस प्रोजेक्ट का काम अगले 12 महीनों में पूरा करने का प्लान है, जिसके बाद शहर में वॉटर सप्लाई और ज़्यादा बेहतर, मॉडर्न और कुशल हो जाएगी।

इस बड़े प्रोजेक्ट में इंटेक वेल, जैकवेल, पंप हाउस, अत्याधुनिक जलशुद्धीकरण केंद्र, रॉ-वॉटर राइजिंग मेन, सोलर एनर्जी सिस्टम, नया वॉटर डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम और दूसरे ज़रूरी इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल हैं। खास तौर पर सोलर एनर्जी के इस्तेमाल से इस सिस्टम में बिजली की बड़ी बचत हो सकेगी। उल्हासनगर में बढ़ती आबादी, पुराने वॉटर सप्लाई सिस्टम, पानी का प्रेशर कम होना, कुछ इलाकों में पानी की सप्लाई में गड़बड़ी और डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम में गड़बड़ियों जैसी दिक्कतों से लोग कई सालों से परेशान हैं।

सही तरीके से लागू करने की ज़रूरत

इस प्रोजेक्ट के पूरा होने के बाद, उल्हासनगर के लाखों लोगों को साफ और रेगुलर पानी की सप्लाई मिलेगी और पानी का लीकेज बहुत कम हो जाएगा और पानी की बर्बादी नहीं होगी। नया वॉटर डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम भविष्य में बढ़ती आबादी और शहर के वॉटर सप्लाई सिस्टम में बड़े सुधार में बहुत मदद करेगा। हालांकि, इसे ठीक से लागू करने की ज़रूरत है। नहीं तो, नागरिक उम्मीद जता रहे हैं कि यह प्लान कागज़ पर पूरा न हो, जैसे पिछले प्लान रोक दिए गए थे।

सांसद शिंदे के प्रयास को मिली सफलता

इस गंभीर मामले को ध्यान में रखते हुए MP डॉ. श्रीकांत शिंदे ने लगातार केंद्र सरकार और राज्य सरकार से फॉलो-अप किया। संबंधित मंत्रालयों, सीनियर अधिकारियों और एडमिनिस्ट्रेटिव लेवल पर बार-बार मीटिंग के बाद इस प्रोजेक्ट को मंजूरी मिली है। केंद्र सरकार के साथ-साथ राज्य सरकार के MP डॉ. श्रीकांत शिंदे ने इस बड़े प्रोजेक्ट के लिए शुक्रिया अदा किया है।

महापौर ने सांसद का आभार प्रकट किया

महापौर अश्विनी कमलेश निकम ने कहा कि इस योजना की उल्हासनगर शहर को सख्त जरूरत थी और हमारी कई वर्षों से कल्याण लोकसभा सांसद श्रीकांत शिंदे से इसी मांग को लेकर पत्र व्यवहार चल रहा था आखिरकार इस योजना को मंजूरी मिलने से शहरवासियों को पानी की समस्या से जल्द से जल्द छुटकारा मिलेगा। शिवसेना व पूर्व विधायक पप्पू कालानी समर्थकों ने सांसद श्रीकांत शिंदे का आभार प्रकट करते है।

अंबरनाथ पूर्व में कार के बोनट से निकला धामन सांप

अंबरनाथ. अंबरनाथ पूर्व के शिवगंगा इलाके में एक फोर-व्हीलर के बोनट में धामन प्रजाति का 5 फुट लंबा बिना ज़हरीला सांप मिला। अच्छी बात ये रही कि सर्पमित्र के प्रयासों से सांप को सुरक्षित बचा लिया गया। यह बड़ा धामन सांप शिवगंगा नगर के प्रेशियस गैलेक्सी में रहने वाले एक निवासी की फोर-व्हीलर के बोनट में छिपा हुआ मिला। सांप को देखते ही वहां के लोग घबरा गए।

सर्प मित्र आकाश गोहिल को तुरंत इसकी जानकारी दी गई। मौके पर पहुंचे आकाश गोहिल ने दो घंटे तक गाड़ी के बोनट में गहरे घुसे सांप को बाहर निकालने की बहुत कोशिश की। आखिरकार, सब्र और हुनर की मदद से 5 फुट लंबे धामन सांप को बिना किसी नुकसान के सुरक्षित बचा लिया गया। इसके बाद, इस बिना ज़हरीले धामन सांप को सुरक्षित उसके नैचुरल हैबिटैट में छोड़ दिया गया।

स्वास्थ्य मंत्री आबिटकर ने मनपा अधिकारियों को लगाई फटकार

■ उल्हासनगर मनपा का हेल्थ डेटा अधूरा

उल्हासनगर. हेल्थ मिनिस्टर के इंस्पेक्शन में पता चला है कि उल्हासनगर मनपा प्रशासन सेंट्रल और स्टेट गवर्नमेंट के सर्वे के लिए ज़रूरी अलग-अलग तरह के कैंसर पेशेंट्स की जानकारी देने में फेल रहा है।

मंगलवार को उल्हासनगर के हॉस्पिटल का इंस्पेक्शन करने आए हेल्थ मिनिस्टर प्रकाश आबिटकर के सामने उल्हासनगर मनपा प्रशासन ने अधूरा डेटा पेश किया। डेंगू और मलेरिया समेत कैंसर का डेटा अधूरा दिखाया गया। इस वजह से हेल्थ मिनिस्टर ने महानगर पालिका अधिकारियों को फटकार लगाई। MP डॉ. श्रीकांत शिंदे ने भी डर जताया कि ऐसे डेटा से पेशेंट्स को मिलने वाली सुविधाओं पर असर पड़ेगा। इससे हेल्थ सुविधाओं के प्रति महानगर पालिका की लापरवाही भी सामने आई।

राज्य स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर मंगलवार को उल्हासनगर शहर में उल्हासनगर नगर इलाके में हेल्थ सुविधाओं का इंस्पेक्शन करने आए थे। इस मौके पर MP डॉ. श्रीकांत शिंदे, MLA कुमार ऐलानी, MLA डॉ. बालाजी किनिकर, डिस्ट्रिक्ट सर्जन डॉ. कैलाश पवार और कई सीनियर अधिकारी मौजूद थे। इस मौके पर उल्हासनगर मनपा की तरफ से शहर के हेल्थ सिस्टम का रिव्यू मिनिस्टर को दिया गया। इस प्रेजेंटेशन में दिए गए आंकड़े देखकर हेल्थ मिनिस्टर प्रकाश आबिटकर और MP डॉ. श्रीकांत शिंदे हैरान रह गए।

कैंसर मरीजों के आंकड़ों में दिखा संदिग्ध कमी

केंद्र सरकार और राज्य सरकार कैंसर को खत्म करने के लिए ज़रूरी डेटा इकट्ठा करती हैं और उसी हिसाब से मरीज़ों को सुविधाएं देती हैं। इसलिए, अलग-अलग तरह के कैंसर मरीज़ों की जानकारी इकट्ठा की जाती है। लेकिन, उल्हासनगर मनपा की तरफ से दी गई कैंसर मरीज़ों की जानकारी में संदिग्ध कमी दिखी। कई तरह के मरीज़ों के सिंगल आंकड़े पेश किए गए। जबकि डेंगू मलेरिया जैसी बीमारियों के मरीज़ों की संख्या भी डबल आंकड़ों में थी। इसलिए, हेल्थ मिनिस्टर प्रकाश आबितकर को शक हुआ और उन्होंने इन आंकड़ों पर शक जताया. ऐसी जानकारी मनपा सूत्रों से मिली है।

उन्होंने यह भी कहा कि आंकड़े इतने कम कैसे हो सकते हैं, आपके सर्वे में ज़रूर कोई कमी होगी। इसलिए, प्राइवेट हॉस्पिटल से भी कैंसर मरीज़ों की जानकारी लेनी चाहिए। ऐसी जानकारी के बिना ऐसे मरीज़ों को अस्पताल और इलाज के सेंटर बनाने में मुश्किलें आ सकती हैं। MP डॉ. श्रीकांत शिंदे ने गुस्से में सवाल उठाया कि अगर जानकारी ही नहीं होगी तो उनके लिए सुविधाएं कैसे बनेंगी।

श्रीकांत शिंदे केंद्र में कैबिनेट मंत्री बनेंगे?

■ DCM शिंदे दिल्ली में

■ शिवसेना को दो मंत्री पद मिलने की संभावना

मुंबई. केंद्रीय कैबिनेट विस्तार की हलचल ने ज़ोर पकड़ लिया है और राजनीतिक गलियारों में यह उम्मीद जताई जा रही है कि शिवसेना को दो मंत्री पद मिलेंगे और सांसद श्रीकांत शिंदे इस केंद्रीय कैबिनेट में शामिल होंगे। इसी तरह, मंगलवार को कैबिनेट मीटिंग खत्म होते ही डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे के दिल्ली पहुंचने से इन चर्चाओं को और बल मिला है।

शिवसेना (ठाकरे) के छह सांसदों के आने से केंद्र में शिवसेना की संसदीय ताकत बढ़ गई है। अनुमान लगाया जा रहा है कि इन बदले हुए राजनीतिक समीकरणों का फायदा केंद्रीय कैबिनेट के विस्तार में मिलेगा।

कैबिनेट विस्तार में भाजपा में कुछ नेताओं की जिम्मेदारियों में बदलाव की चर्चाओं ने भी ज़ोर पकड़ लिया है। इस पृष्ठभूमि में, दिल्ली में घटनाक्रम बढ़ गए हैं। डिप्टी चीफ मिनिस्टर शिंदे मंगलवार को दिल्ली पहुंचे। शिंदे का दिल्ली दौरा सिर्फ एक नियमित राजनीतिक बैठक नहीं है, बल्कि संभावित कैबिनेट विस्तार के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। चर्चा है कि शिवसेना को दो मंत्री पद मिलेंगे।

केंद्रीय कैबिनेट के विस्तार को लेकर BJP या केंद्र सरकार की तरफ से कोई ऑफिशियल घोषणा नहीं हुई है। हालांकि, इस बारे में दिल्ली में राजनीतिक घटनाक्रम और महाराष्ट्र में गतिविधियां बढ़ गई हैं। इसमें श्रीकांत शिंदे के नाम की चर्चा और जोर पकड़ रही है। हालांकि, श्रीकांत शिंदे ने कहा है कि ये सब बहस है। डिप्टी चीफ मिनिस्टर और पार्टी के बड़े नेता होने के नाते एकनाथ शिंदे के पास दिल्ली में कई अहम काम हैं। हालांकि कैबिनेट विस्तार की चर्चा चल रही है, लेकिन राजनीति में इसका कोई महत्व नहीं है। ऐसी चर्चाएं हमेशा होती रहती हैं। इसलिए, अभी जो बहस चल रही है, उस पर बात करना सही नहीं होगा, ऐसा MP श्रीकांत शिंदे ने कहा।

रीजेंसी सर्वम हाउसिंग सोसाइटी पर 1 लाख का जुर्माना

■ सूखा-गीला कचरा अलग-अलग न करने पर कडोंमपा ने की कार्रवाई

कल्याण. कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका प्रशासन ज़ीरो वेस्ट कैंपेन के तहत कल्याण और डोंबिवली शहरों को कचरा-मुक्त बनाने के लिए तेज़ी से काम कर रहा है। बार-बार नोटिस देने के बावजूद, टिटवाला में रीजेंसी सर्वम हाउसिंग सोसाइटी में गीला और सूखा कचरा प्रोसेस करने में आनाकानी कर रही है, इसलिए सॉलिड वेस्ट डिपार्टमेंट के डिप्टी कमिश्नर रामदास कोकरे ने सोमवार को सॉलिड वेस्ट नियमों का पालन न करने पर सोसाइटी पर 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया।

कल्याण-डोंबिवली मनपा के पिछले 30 सालों में कचरे के मुद्दे पर किसी हाउसिंग सोसाइटी पर लगाया गया यह सबसे बड़ा जुर्माना है। 100 से ज़्यादा फ्लैट वाली हाउसिंग सोसाइटी को अपने परिसर में गीला और सूखा कचरा अलग-अलग करने और प्रोसेस करने के लिए सोसाइटी परिसर में कचरा निपटान प्रोजेक्ट लगाना ज़रूरी है। पिछले दो सालों में, सॉलिड वेस्ट डिपार्टमेंट के डिप्टी कमिश्नर कोकरे ने उन बड़ी हाउसिंग सोसाइटियों के खिलाफ सज़ा देने वाली कार्रवाई की है जो ऐसे वेस्ट प्रोजेक्ट नहीं लगाती हैं।

कुछ महीने पहले, डिप्टी कमिश्नर कोकरे कल्याण डोंबिवली मनपा में आए। उन्होंने सोसाइटी परिसर में पुराने वेस्ट डिस्पोजल प्रोजेक्ट का इंस्पेक्शन शुरू किया है। इस इंस्पेक्शन में पाया गया कि कई सोसाइटियों के वेस्ट डिस्पोजल और प्रोसेसिंग प्रोजेक्ट बंद थे। डिप्टी कमिश्नर कोकरे ने इन सोसाइटियों को ये प्रोजेक्ट शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

फ्लिपकार्ट मिनट्स डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर पर कार्रवाई

■ फफूंदी वाले प्रोडक्ट्स की मिली थीं शिकायतें

बदलापुर. सोमवार को फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने बदलापुर में सर्विस देने वाले फ्लिपकार्ट मिनट्स डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर के खिलाफ कार्रवाई की। रविवार को MNS के पदाधिकारियों ने उस जगह पर छापा मारा था, जब एक कस्टमर ने आरोप लगाया था कि उन्हें फफूंद लगी पिज्जा ब्रेड दी गई थी। उसके बाद, फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने सोमवार को इस डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर का लाइसेंस कुछ समय के लिए सस्पेंड कर दिया और यहां से विवादित सैंपल टेस्टिंग के लिए जब्त कर लिए।

रविवार को एक कस्टमर ने फ्लिपकार्ट मिनट्स ऐप पर आधारित होम डिलीवरी सर्विस देने वाली कंपनी के ऐप से पिज्जा ब्रेड ऑर्डर किया था। उसने शिकायत की थी कि इस पिज्जा ब्रेड में फफूंद लगी थी। उसके बाद बदलापुर MNS के पदाधिकारियों ने उनके साथ मिलकर इस डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर पर छापा मारा। उसके बाद उन्होंने देखा कि यहां इंस्पेक्शन के दौरान फूड सेफ्टी में कई खामियां थीं। उस समय फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन को बुलाया गया।

फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के अधिकारियों ने सोमवार को बदलापुर ईस्ट के राउत चौक में मौजूद इस डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर का इंस्पेक्शन किया। उसके बाद फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन की अधिकारी अरुणा विरकायडे की टीम ने यहां कार्रवाई शुरू की। फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन की ओर से अधिकारी अरुणा विरकायडे ने बताया है कि संबंधित सेंटर का लाइसेंस कुछ समय के लिए सस्पेंड कर दिया गया है।

कल्याण स्टेशन एरिया में देह व्यापार

■ टोप्या गैंगस्टर पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार

■ मकोका के तहत 8 गैंगस्टरों के खिलाफ कार्रवाई

कल्याण. कल्याण रेलवे स्टेशन एरिया में पिछले कुछ महीनों से देह व्यापार का धंधा चलाने वाले मुख्य आरोपी तौफीक उर्फ टोप्या हिमायत सैयद और उसके फरार साथी मीता नारायण बारिक को कल्याण की महात्मा फुले पुलिस की एक टीम ने पश्चिम बंगाल के घने जंगल में दक्षिण परगना से गिरफ्तार किया है।

इस गैंग के एक सदस्य प्रशांत उर्फ कावा वीरकुमार गायकवाड़ को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है और वह अभी कोर्ट के आदेश के अनुसार आधारवाड़ी जेल में है। पुलिस ने देह व्यापार चलाने वाले एक बड़े गैंग को पकड़ने में कामयाबी हासिल की है। इस गैंग के खिलाफ मकोका एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। यह गैंग मुंबई और नवी मुंबई एरिया से जरूरतमंद गरीब महिलाओं को कल्याण रेलवे स्टेशन एरिया में लाकर और अपने फायदे के लिए उनका इस्तेमाल करके प्रॉस्टिट्यूशन का धंधा चला रहा था।

छह महीने पहले, पुलिस उपायुक्त झेंडे के मार्गदर्शन में महात्मा फुले पुलिस की एक टीम ने कल्याण वेस्ट रेलवे स्टेशन इलाके में कार्रवाई की थी और कुछ महिला और पुरुष आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इन आरोपियों से मिली जानकारी के आधार पर पता चला कि यह प्रॉस्टिट्यूशन का धंधा टोप्या नाम का एक गुंडा चला रहा था और उसके दूसरे साथी इस गैर-कानूनी धंधे में उसकी मदद कर रहे थे। इसलिए, पुलिस ने इस क्राइम में शामिल आठ लोगों के गैंग के खिलाफ महाराष्ट्र ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एक्ट के तहत कार्रवाई की थी।

इस गैंग का मास्टरमाइंड तोफिक उर्फ टोप्या फरार था, इसलिए पुलिस उसकी तलाश में थी। पुलिस ने इस क्राइम में शामिल पांच महिला आरोपियों को आधारवाड़ी जेल से कस्टडी में लेकर दोबारा गिरफ्तार किया था। वे अब कोर्ट के ऑर्डर पर आधारवाड़ी जेल में हैं। पुलिस ने इस गैंग के एक मेंबर प्रशांत गायकवाड़ को गिरफ्तार किया।

असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ पुलिस अशोक होनमाने को जानकारी मिली कि फरार आरोपी टोप्या और मीता पश्चिम बंगाल के एक परगने के घने जंगल में छिपे हुए हैं। महात्मा फुले पुलिस की एक टीम, पश्चिम बंगाल पुलिस की मदद से, एक हफ़्ते से दक्षिण परगना में टोप्या और मीता को ढूंढ रही थी। टेक्निकल एक्सपर्टीज़ से इन आरोपियों की सही लोकेशन पता चलने के बाद, पुलिस ने रेड करके दोनों को अरेस्ट कर लिया।

CM के जन्मदिवस पर उल्हासनगर भाजपा द्वारा

19 जुलाई को रोजगार मेला

उल्हासनगर। महाराष्ट्र राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के जन्मदिन के उपलक्ष्य में उल्हासनगर जिला भाजपा द्वारा युवाओं के लिए भव्य रोजगार मेले का आयोजन किया गया है। रविवार 19 जुलाई 2026 को सुबह 10 से दोपहर 4 बजे तक इस जॉब फेयर में 20 से अधिक जानी मानी कंपनियां हिस्सा लेंगी और इंटरव्यू के बाद उम्मीदवारों को आन द स्पॉट आफर लेटर भी दिए जाएंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश वधरिया ने बताया कि उल्हासनगर भाजपा मुख्यालय में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस मेले में भाग लेने वाले उम्मीदवार रजिस्टर के लिए 8104400575 व 9967516629 पर संपर्क कर सकते हैं।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास

संपादकीय

महंगाई फिर रफ्तार पर

किसी भी देश की अर्थव्यवस्था तभी सुदृढ़ मानी जाती है, जब विकास के साथ-साथ महंगाई भी नियंत्रण में रहे। अगर आवश्यक वस्तुओं के दाम अनियंत्रित तरीके से बढ़ते जाएं, तो आम जनता की बचत कम होने से उसकी क्रय शक्ति भी घट जाती है। इससे निवेश और बाजार की मांग प्रभावित होती है, जिसका सीधा असर अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। यानी कीमतों में स्थिरता के बिना लंबे समय तक समावेशी और संतुलित विकास हासिल नहीं किया जा सकता।

देश में महंगाई के मोर्चे पर जो तस्वीर सामने आ रही है, वह इसी स्थिति की ओर इशारा करती है। सरकार की ओर से बीते सोमवार को जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, खाद्य वस्तुओं के दामों में लगातार बढ़ोतरी से जून में खुदरा महंगाई बढ़कर 4.38 फीसद पर पहुंच गई, जबकि मई में यह 3.93 फीसद थी। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने महंगाई दर को चार फीसद तक सीमित रखने का लक्ष्य तय किया है, लेकिन मौजूदा आंकड़ा इससे आगे निकल गया है।

सरकार की ओर से अक्सर यह दावा किया जाता है कि महंगाई नियंत्रण में है और आवश्यक वस्तुओं के दाम आम आदमी की पहुंच में हैं। मगर, वर्तमान परिस्थितियों में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या महंगाई को नियंत्रित करने की सरकार की नीतियां कारगर साबित नहीं हो पा रही हैं या फिर कीमतों को काबू करने की डोर को जान-बूझकर ढीला छोड़ देने की कोशिश की जा रही है?

खाद्य महंगाई का मई में 4.78 फीसद से बढ़कर जून में 5.32 फीसद पर पहुंच जाना वास्तव में चिंताजनक है। जब आरबीआई ने खुद महंगाई को चार फीसद के आसपास रखने का लक्ष्य निर्धारित किया है, तो फिर क्या वजह है कि यह आंकड़ा तेजी से ऊपर की ओर जा रहा है। कारण चाहे जो भी हो, लेकिन इसका खमियाजा आम आदमी को अपनी जरूरतों और खर्च में कटौती के रूप में भुगतना पड़ रहा है। सरकार को इस बात पर गंभीरता से गौर करना चाहिए कि महंगाई की सबसे ज्यादा मार समाज के उस कमजोर तबके पर पड़ती है, जो दिनभर कड़ी मेहनत के बावजूद बमुश्किल अपने परिवार की बुनियादी जरूरतों को पूरा कर पाता है।

विमर्श

सनातन और सेक्युलरिज्म के द्वंद्व

जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जनाधार और प्रभाव बढ़ रहा है, वहीं विपक्षी दलों द्वारा उन्हें हटाने की मुहिम तेज हो रही है। अभी तक विचारधारा के आधार पर कम और जातीय-गणित के आधार पर ज्यादा राजनीति होती रही है। लोकसभा में 98 सदस्यों वाली कांग्रेस और 37 सदस्यों वाली सपा सदन में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टियां हैं। कांग्रेस का देशव्यापी तो सपा का उत्तर प्रदेश में बड़ा जनाधार है। पिछले लोकसभा चुनावों में सपा-कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में मिलकर चुनाव लड़ा और भाजपा को शिकस्त दी। यह भी एक कारण रहा कि भाजपा लोकसभा में पूर्ण बहुमत से पीछे रह गई। उत्तर प्रदेश के चुनाव नतीजों से सपा और कांग्रेस, दोनों का मनोबल बढ़ा।

दोनों ने यही धारणा बनाने का प्रयास किया कि भाजपा हिंदुत्ववादी राजनीति कर रही है। वास्तविकता के धरातल पर देखें तो भाजपा हिंदू समाज की सभी जातियों को एकजुट कर रही है। कायदे से सभी दलों को ऐसा करना चाहिए। समाज के सभी तबकों को साथ लेना चाहिए। इसमें यह भी ध्यान रहे कि ऐसा कोई भी प्रयास पार्टी-विचारधारा के अनुरूप होने के साथ ही जमीन पर दिखाई दे और केवल वोट पाने के लिए न हो। भाजपा ने अनुच्छेद 370 को समाप्त करने से लेकर अयोध्या में रामलला के भव्य मंदिर निर्माण में सक्रियता एवं सहयोग के अलावा शासन एवं विकास में सभी तबकों को साथ लेकर अपने जनाधार को मजबूत किया है। इसके सापेक्ष विपक्ष ने क्या किया?

न तो कांग्रेस ने राष्ट्रीय स्तर पर और न सपा ने प्रदेश स्तर पर सबको

साथ लेने का प्रयास किया। कांग्रेस और सपा ने अपनी छवि ऐसी बना ली जैसे वे मुस्लिम-समाज की एकमात्र रहनुमा हों। मुस्लिम तुष्टीकरण की नीति के चलते उन्होंने मुस्लिम समाज को हिंदू समाज से काट कर उनके वोट लेने के ही प्रयास किए, जिससे न केवल मुस्लिमों, वरन हिंदू-मुस्लिम भाईचारे को भी क्षति पहुंची। कांग्रेस, सपा, बसपा में कोई भी हिंदुओं के हितों का संरक्षण करने को तैयार न थीं। यह वास्तविकता धीरे-धीरे हिंदुओं की विभिन्न जातियों को एक मंच पर ले आई। यदि समाज में हिंदू-मुस्लिम ध्रुवीकरण बढ़ा है तो उसके लिए भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से अधिक विपक्षी दलों का अतिशय तुष्टीकरण ही अधिक जिम्मेदार रहा।

अगले वर्ष उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, गोवा और मणिपुर के विधानसभा चुनाव हैं। कांग्रेस, सपा और अन्य विपक्षी दलों को लगता है कि सनातन और हिंदुत्व ही भाजपा का राजनीतिक कवच है तो पहले उस पर ही प्रहार किया जाए। इस कवच पर प्रहार के लिए इन दलों के नेताओं ने स्वयं को सनातनी घोषित करने का अभियान चलाया हुआ है। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी प्रकरण के रूप में उन्हें एक अवसर भी मिल गया। इसमें कोई संदेह नहीं कि सभी सनातनी इस प्रकरण से आहत हैं, लेकिन सपा प्रमुख अखिलेश यादव का आकलन इस मामले में कुछ जल्दबाजी भरा है कि उन्होंने यहां तक एलान कर दिया कि 'अब भाजपा को न चंदा मिलेगा और न वोट।' एक बड़ी हद तक संभव है कि उनकी दोनों धारणाएं ध्वस्त हो जाएं, क्योंकि हिंदू धर्म में दान को पुण्य माना गया है।

एक सनातनी सामान्यतः दान देकर न तो उसका उल्लेख करता है और न ही उसके उपयोग को लेकर आग्रही होता है। मान्यता भी यही है कि यदि दाएं हाथ से दान दिया जाए तो बाएं हाथ को इसकी भनक न लगे। अतः दान और आस्था में तो कोई कमी आने वाली नहीं। लोग अभी मर्माहत, आक्रोशित हैं। इसलिए वे इस पर कोई राय रखने की मनःस्थिति में नहीं। हिंदू समाज की विशेषता है कि वह अपने समाज की कमियों, बुराइयों को जोर-शोर से उठाता है, लेकिन आपने कभी किसी अन्य वर्ग से अपने समाज की बुराइयों के विरुद्ध कोई आवाज सुनी है? वस्तुतः सेक्युलर दलों में हिंदुओं का एक बड़ा वर्ग भी उन बुराइयों को ढकने का प्रयत्न करता है और जो लोग उन बुराइयों को रेखांकित करते हैं, उन्हें सांप्रदायिक कह कर अपमानित करता है। वे दल जो स्व-घोषित सेक्युलर हैं और हिंदुओं के विरुद्ध अन्य समुदायों के दमन को भी वाजिब ठहराते आए हैं, क्या वे हिंदुओं के मतों के हकदार हैं भी? हालांकि अब ऐसे दलों को भी लगने लगा है कि हिंदुओं को साथ लिए बिना उनकी दाल नहीं गलने वाली। इसीलिए, उनके नेतागण सनातन की दुहाई देने लगे हैं। सनातन तो सबका स्वागत करता है, लेकिन सनातन को ढाल बना कर राजनीति करना कहीं उन्हें महंगा न पड़े?

हम में से हरेक को वो सब दिया गया है जो हमें अपने सच्चे स्वरूप को जानने के लिए चाहिए।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

पात्र से अपात्र कैसे हुईं लाखों महिलाएं?

भारतीय रेलवे की ओर से अक्सर यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं मुहैया कराने की घोषणा की जाती है। मगर आए दिन ट्रेन से सफर के दौरान खासी संख्या में यात्री जिस तरह की शिकायत करते हैं, उससे साफ है कि सुविधा के प्रचार के बरक्स हकीकत अलग है। यह छिपा नहीं है कि शहरों में रोजगार या अन्य कारणों से रहने वाले लोग जब पर्व-त्योहार जैसे मौकों पर अपने घर जाना चाहते हैं, तो उनकी जरूरत के मुताबिक आरक्षित सीट या बर्थ का टिकट मिल पाना अब एक बड़ी चुनौती है। कुछ यात्री टिकट लेकर किसी तरह ट्रेन में सवार हो भी जाते हैं, तो आगे का सफर जैसे-तैसे पूरा करना एक आम स्थिति हो चुकी है।

वहीं ऐसी स्थितियां भी आम हैं, जिनमें किसी वजह से बीच में खाली रह गई या बाद में खाली हुई सीट या बर्थ वास्तविक हकदारों और जरूरतमंदों को नहीं मिल पाती हैं। कभी कोई सीट खाली होती भी है, तो ट्रेन में मौजूद टीटीई मनमर्जी से वह सीट किसी को पैसे लेकर आबंटित कर देता है।

कलकत्ता हाई कोर्ट ने इसी पहलू पर गौर करते हुए ट्रेन में ऐसी गड़बड़ियों के खिलाफ कड़ी टिप्पणी की और कहा कि कुछ ट्रेनों में टीटीई सब्जियों की तरह खाली बर्थ बेचते हैं। अदालत ने देश के सभी रेलवे जोन के महाप्रबंधकों को

निर्देश दिया कि ऐसे कर्मचारियों पर मौजूद अधिकतम दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

दरअसल, जब ट्रेन अपने गंतव्य के लिए चल पड़ती है, उसके बाद अगर किसी वजह से कोई सीट या बर्थ खाली रह जाती है, तो इसके बारे में आमतौर पर टीटीई को ही जानकारी होती है। कन्फर्म होने के नियम के मुताबिक किसी अन्य यात्री को वह सीट आबंटित कर दी जानी चाहिए। मगर ऐसे मामले आम हैं, जिनमें टीटीई ज्यादा पैसे वसूल कर वैसे यात्रियों को भी खाली बर्थ आबंटित कर देते हैं, जो नियमों के तहत उसके पात्र नहीं होते। जिन यात्रियों को टीटीई सीट या बर्थ देता है, उसके पास अगर किन्हीं वजहों से आरक्षित टिकट नहीं है, तो हादसे, लूटपाट, चोरी या ठगी की स्थिति में कानूनी कार्रवाई में अड़चन आ सकती है।

विचित्र है कि जिस आम हो चुकी समस्या पर खुद रेल महकमे या सरकार को अपनी ओर से सख्ती बरतनी चाहिए थी, व्यवस्था और नियमों में सुधार करना चाहिए था, अवैध कमाई के लिए टीटीई या अन्य कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए थी, वह करने की सलाह एक अदालत को देनी पड़ी।

यह जगजाहिर तथ्य है कि ट्रेन से यात्रा करने वाले लोगों की संख्या में लगातार भारी बढ़ोतरी हुई है, जबकि ट्रेनों की संख्या में उस अनुपात में इजाफा नहीं हुआ है। ऐसे में ट्रेन से कहीं आने-जाने के लिए यात्रियों को आरक्षित टिकट हासिल करने में भारी मुश्किल पेश आती है। कई बार प्रतीक्षा-श्रेणी की टिकट पर खाली हुई बर्थ भी इसलिए नहीं मिल पाती, क्योंकि टीटीई अवैध तरीके से पैसे लेकर उसे किसी अन्य को आबंटित कर देता है।

समस्या केवल टिकट और सीट के मसले तक सीमित नहीं है। ट्रेन में सुरक्षित यात्रा से लेकर खानपान और अन्य सुविधाओं के मामले में भी जिस स्तर की बदइंतजामी और लापरवाही देखी जाती है, उसका खमियाजा यात्रियों को ही उठाना पड़ता है। दूसरी ओर, टिकटों की कीमत बढ़ाने से लेकर अन्य मदों में पैसे वसूलने में भारतीय रेलवे कोई संकोच नहीं करता। सवाल है कि इस तरह की अव्यवस्था और अनियमितता के रहते ट्रेन से सफर करने वाले लोगों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं मुहैया कराने के आश्वासन किस आधार पर दिए जाते हैं!

काले कपड़े से क्यों छिपाया जाता है आरोपी का चेहरा?

जरा हट के

भारतीय पुलिस की गिरफ्तारी के दौरान अक्सर देखा जाता है कि आरोपी के चेहरे पर काला कपड़ा या स्कार्फ बांध दिया जाता है. सोशल मीडिया पर लोग इसे लेकर तरह-तरह के कमेंट करते हैं. कुछ इसे बदनामी से बचाने का तरीका बताते हैं, तो कुछ आरोपी की पहचान छिपाने की कोशिश. लेकिन कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, इसके पीछे एक बेहद महत्वपूर्ण और खास कारण है जो न्याय प्रक्रिया से जुड़ा है.

आरोपी का चेहरा छिपाने का मुख्य कारण है टेस्ट आइडेंटिफिकेशन पैरेड (TIP) को निष्पक्ष और प्रभावी बनाना. TIP जांच का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जिसमें गवाह को आरोपी की पहचान करनी होती है. अगर आरोपी का चेहरा मीडिया या सोशल मीडिया पर पहले से वायरल हो जाए तो गवाह पर अनजाने में बाहरी प्रभाव पड़ सकता है. गवाह सोच

सकता है कि "यह वही शख्स है जिसका चेहरा टीवी पर दिखाया गया था." इसलिए पुलिस चेहरे को ढककर रखती है ताकि गवाह की पहचान पूरी तरह स्वतंत्र और विश्वसनीय रहे.

भारतीय न्याय व्यवस्था में TIP की अहमियत कई लैंडमार्क जजमेंट्स में साफ बताई गई है:

कोर्ट ने TIP के उद्देश्य और सबूत के मूल्य को स्पष्ट किया. यह गवाह की विश्वसनीयता जांचने का माध्यम है.

कोर्ट ने दोहराया कि TIP जांच का सहायक साधन है, अदालत में दी गई पहचान का समर्थन करता है.

ये फैसले साफ बताते हैं कि TIP बिना किसी पूर्व प्रभाव के होना चाहिए. काला कपड़ा इसी प्रक्रिया की रक्षा करता है.

पुलिस मीडिया के सामने पेशी के समय आरोपी का चेहरा काले कपड़े से ढंक देती है. इसके अलावा जब आरोपी के साथ पुलिस भीड़ भरे इलाकों से गुजरती है तब भी ऐसा किया जाता है. अदालत ले जाते समय (कई बार) चेहरा ढंका जाता है. यह प्रथा मुख्य रूप से उन मामलों में अपनाई जाती है जहां गवाह की पहचान महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जैसे बलात्कार, हत्या, डकैती आदि गंभीर अपराधों में.

खाना-खजाना

हरड़ की गोली

आयुर्वेद में 'हरड़' को पेट के लिए किसी अमृत से कम नहीं माना गया है। ऐसे में, आज हम आपको बताते हैं कि आप घर पर ही बहुत आसानी से खट्टी-मीठी और असरदार 'हरड़ की गोली' कैसे बना सकते हैं, जो आपके हाजमे को एकदम दुरुस्त कर देगी।

सामग्री

- छोटी हरड़ या हरड़ का पाउडरः 50 ग्राम
- भुना हुआ जीराः 2 चम्मच
- अजवाइनः 1 चम्मच
- काला नमकः 1 से 1.5 चम्मच
- हींगः 2 चुटकी
- गुड़ः 100 ग्राम
- नींबू का रसः 2 बड़े चम्मच

विधि

अगर आप साबुत छोटी हरड़ का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो एक पैन में आधा चम्मच देसी घी लें और हरड़ को धीमी आंच पर हल्का फूलने तक भून लें। ठंडा होने पर इसे मिक्सी में पीसकर बारीक पाउडर बना लें।

अब इस हरड़ के पाउडर में भुना हुआ जीरा, अजवाइन, काला नमक और हींग डालकर सभी सूखी चीजों को अच्छी तरह से मिला लें।

एक बर्तन में लगभग थोड़ा पानी और गुड़ डालकर उसे धीमी आंच पर पिघला लें। ध्यान रहे कि चाशनी को ज्यादा गाढ़ा नहीं करना है, बस गुड़ को अच्छे से पिघलाना है।

जब गुड़ पूरी तरह पिघल जाए, तो गैस बंद कर दें। अब इसमें मसालों और हरड़ का तैयार किया हुआ सारा पाउडर डाल दें और अच्छे से मिक्स करें। ऊपर से नींबू का रस डालकर मिला लें।

जब यह मिश्रण छूने लायक हल्का गर्म या ठंडा हो जाए, तो अपनी हथेलियों पर थोड़ा-सा घी या पानी लगाएं। अब इस मिश्रण से छोटी-छोटी गोलियां बना लें।

इन गोलियों को 3 से 4 घंटे के लिए हवा में या हल्की धूप में सूखने दें। सूखने के बाद इन्हें कांच या प्लास्टिक के किसी एयरटाइट डिब्बे में भरकर रख लें। आपकी स्वादिष्ट हरड़ की गोलियां तैयार हैं।

बारिश में धुंधला हो जाता है हेलमेट का वाइजर?

तेज बारिश में बाइक या स्कूटर चलाना किसी चुनौती से कम नहीं होता. इस मौसम में दोपहिया वाहन चालकों को सबसे बड़ी समस्या का सामना तब करना पड़ता है, जब हेलमेट का वाइजर (शीशा) धुंधला हो जाता है. बाहर गिरता पानी और अंदर सांस लेने से पैदा होने वाली भाप (Fog) मिलकर वाइजर को पूरी तरह ब्लॉक कर देती हैं. सामने का रास्ता साफ न दिखने के कारण दुर्घटना की आशंका काफी बढ़ जाती है. कई लोग बार-बार वाइजर उठाकर गाड़ी चलाते हैं, जिससे बारिश का पानी सीधे आंखों में जाता है और परेशानी और बढ़ जाती है. अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं, तो अब चिंता छोड़िए. आज हम आपको कुछ ऐसे आसान और घरेलू 'एंटी-फॉग' हैक्स बताने जा रहे हैं, जिनकी मदद से आपका वाइजर मिनटों में क्रिस्टल क्लियर हो जाएगा.

- **अपनाएं ये आसान ट्रिक,**
- **मिनटों में होगा क्रिस्टल क्लियर**

1. आलू का टुकड़ा –

यह सुनने में थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन आलू एक बेहतरीन नेचुरल एंटी-फॉग एजेंट है. आलू में मौजूद स्टार्च वाइजर पर पानी और भाप को टिकने नहीं देता.

कैसे इस्तेमाल करें: एक कच्चे आलू को बीच से काट लें. अब इसके अंदरूनी हिस्से को हेलमेट के वाइजर पर अंदर और बाहर दोनों तरफ हल्के हाथों से रगड़ें. इसके बाद एक साफ, सूखे सूती कपड़े या टिश्यू पेपर से वाइजर को पोंछ लें. ध्यान रहे कि इसे पानी से धोना नहीं है. यह ट्रिक वाइजर पर एक सुरक्षात्मक परत बना देती है, जिससे पानी की बूंदें और भाप तुरंत साफ हो जाती हैं.

2. शेविंग क्रीम या फोम –

शेविंग क्रीम सिर्फ दाढ़ी बनाने के काम नहीं आती, बल्कि यह शीशे को धुंधला होने से भी बचाती है. इसमें मौजूद तत्व वाइजर पर पानी को ठहरने नहीं देते.

कैसे इस्तेमाल करें: थोड़ी सी शेविंग क्रीम या फोम लें और उसे वाइजर के अंदर और बाहर की तरफ लगा दें. इसे 2 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें. इसके बाद एक माइक्रोफाइबर कपड़े से वाइजर को अच्छी तरह साफ कर लें. वाइजर एकदम चमक उठेगा और बारिश के दौरान इस पर भाप बिल्कुल नहीं जमेगी.

3. लिक्विड डिश सोप

बर्तन धोने वाला लिक्विड सोप या कोई भी माइल्ड शैंपू भी इस काम में जादू की तरह असर करता है. यह वाइजर के सरफेस टेंशन को कम कर देता है.

कैसे इस्तेमाल करें: एक या दो बूंद लिक्विड सोप या शैंपू को वाइजर पर लगाएं. एक मुलायम कपड़े से इसे पूरे वाइजर पर फैला लें और तब तक पोंछें जब तक कि शीशा पूरी तरह पारदर्शी न हो जाए. यह हैक सफर के दौरान वाइजर को घंटों तक धुंधला होने से बचाता है.

4. एंटी-फॉग फिल्म

अगर आप बार-बार इन घरेलू नुस्खों को नहीं आजमाना चाहते, तो बाजार या ऑनलाइन स्टोर से एक 'एंटी-फॉग पिनलॉक लेंस' (Anti-Fog Film Insert) खरीद सकते हैं. यह एक ट्रांसपेरेंट स्टिकर जैसी फिल्म होती है, जिसे हेलमेट के वाइजर के अंदरूनी हिस्से पर चिपका दिया जाता है. यह पूरी तरह से वॉटरप्रूफ और फॉग-प्रूफ होती है, जो बारिश और ठंड के मौसम में आपके विजन को एकदम साफ रखती है.

आज का राशिफल

मेष : दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा। निवेश शुभ रहेगा। संतान पक्ष से आरोग्य व अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। दुष्टजनों से दूरी बनाए रखें। हानि संभव है। भाइयों का साथ मिलेगा।

वृषभ : किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। परिवार व मित्रों के साथ समय प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। शारीरिक कष्ट संभव है, सावधान रहें। तीर्थयात्रा की योजना बन सकती है।

मिथुन : व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। बजट बिगड़ेगा। दूर से शोक समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। भागदौड़ रहेगी। बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। पुराना रोग उभर सकता है। व्यापार में अधिक ध्यान देना पड़ेगा। जोखिम न उठाएं।

कर्क : कष्ट, भय, चिंता व तनाव का वातावरण बन सकता है। जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। पारिवारिक प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। व्यय होगा। मित्रों से मेलजोल बढ़ेगा। नए संपर्क बन सकते हैं। धनार्जन होगा।

सिंह : तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ बाहर जाने की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के योग हैं। परिवार व स्नेहीजनों के साथ विवाद हो सकता है। शत्रुता में वृद्धि होगी। अज्ञात भय रहेगा। थकान महसूस होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कन्या : यात्रा सफल रहेगी। शारीरिक कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी। नई योजना बनेगी। लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। काफी समय से अटके काम पूरे होने के योग हैं। भरपूर प्रयास करें। आय में मनोनुकूल वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा।

तुला : अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। व्ययसाय लाभप्रद रहेगा। कार्य पर ध्यान दें।

वृश्चिक : कोई राजकीय बाधा हो सकती है। जल्दबाजी में कोई भी गलत कार्य न करें। विवाद से बचें। काफी समय से अटका हुआ पैसा मिलने का योग है, प्रयास करें। यात्रा लाभदायक रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। वस्तुएं संभालकर रखें।

धनु : किसी की बातों में न आएं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। अचानक लाभ के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार में वृद्धि से संतुष्टि रहेगी। नौकरी में जवाबदारी बढ़ सकती है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। उत्साह से काम कर पाएंगे।

मकर : परिवार की आवश्यकताओं के लिए भागदौड़ तथा व्यय की अधिकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में विशेष सावधानी की आवश्यकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। कार्य की गति धीमी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। निवेश करने का समय नहीं है। नौकरी में मातहतों से अनबन हो सकती है।

कुंभ : जोखिम व जमानत के कार्य टालें। शारीरिक कष्ट संभव है। व्यवसाय धीमा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की नाराजी झेलनी पड़ सकती है। परिवार में मनमुटाव हो सकता है। सुख के साधनों पर व्यय सोच-समझकर करें। निवेश करने से बचें। व्यापार ठीक चलेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

मीन : किसी अपरिचित की बातों में न आएं। धनहानि हो सकती है। थोड़े प्रयास से ही काम सफल रहेंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

मानसून में लगाएं रजनीगंधा का पौधा

मानसून का मौसम बागवानी के लिए सबसे अनुकूल माना जाता है. इस दौरान मिट्टी में पर्याप्त नमी रहती है, जिससे पौधों की जड़ें तेजी से विकसित होती हैं. अगर आप अपने घर, बालकनी या आंगन को लंबे समय तक प्राकृतिक खुशबू से महकाना चाहते हैं तो रजनीगंधा (ट्यूबरोज) का पौधा लगाना एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है. इसकी सफेद और सुगंधित कलियां न सिर्फ घर की सुंदरता बढ़ाती हैं, बल्कि वातावरण को भी ताजगी से भर देती हैं. यही वजह है कि रजनीगंधा का उपयोग फूलों की सजावट, गुलदस्ते और इत्र बनाने तक में किया जाता है.

रजनीगंधा के पौधे लगाने के लिए जुलाई से सितंबर का समय सबसे अच्छा माना जाता है. मानसून में मिट्टी में नमी होने के कारण बल्ब आसानी से अंकुरित हो जाते हैं और पौधे का विकास तेजी से होता है. यदि सही देखभाल की जाए तो पौधा कुछ ही महीनों में फूल देना शुरू कर देता है.

रजनीगंधा के लिए अच्छी जल निकासी वाली दोमट मिट्टी सबसे उपयुक्त रहती है. गमले या क्यारी की मिट्टी में गोबर की सड़ी हुई खाद या वर्मी कम्पोस्ट मिलाने से पौधे को भरपूर पोषण मिलता है. ध्यान रखें कि पानी का जमाव न हो, क्योंकि इससे बल्ब सड़ सकते हैं और पौधा खराब हो सकता है.

रजनीगंधा के बल्ब को लगभग 4 से 6 सेंटीमीटर गहराई पर लगाएं. दो पौधों के बीच 15 से 20 सेंटीमीटर की दूरी रखें, ताकि उन्हें बढ़ने के लिए पर्याप्त जगह मिल

सके. रोपाई के बाद हल्की सिंचाई करें और शुरुआती दिनों में मिट्टी को हल्का नम बनाए रखें.

रजनीगंधा के पौधे को रोजाना कम से कम 5 से 6 घंटे की धूप मिलनी चाहिए. हालांकि मानसून में अधिक बारिश होने पर अतिरिक्त सिंचाई की जरूरत नहीं पड़ती. जब मिट्टी की ऊपरी सतह सूखी दिखाई दे, तभी पानी दें. अधिक पानी देने से पौधे की जड़ों को नुकसान हो सकता है.

पौधे की अच्छी बढ़वार और अधिक फूल पाने के लिए हर 20 से 25 दिन में जैविक खाद या वर्मी कम्पोस्ट डालें. फूल आने के समय पोटाश युक्त खाद का सीमित मात्रा में उपयोग करने से फूलों की संख्या और गुणवत्ता दोनों बेहतर होती हैं.

बरसात के मौसम में फफूंद और कीटों का खतरा बढ़ जाता है. पौधे की सूखी पत्तियों को समय-समय पर हटाते रहें और जरूरत पड़ने पर जैविक फफूंदनाशक या नीम के तेल का छिड़काव करें. इससे पौधा स्वस्थ रहेगा और लंबे समय तक फूल देता रहेगा.

रजनीगंधा सिर्फ सजावटी पौधा ही नहीं, बल्कि कमाई का अच्छा माध्यम भी बन सकता है. इसकी मांग फूल मंडियों, शादी-ब्याह, पूजा-पाठ और इत्र उद्योग में पूरे साल बनी रहती है. ऐसे में शौक के साथ इसकी खेती या अधिक संख्या में पौधे लगाकर अतिरिक्त आय भी अर्जित की जा सकती है. यदि आप इस मानसून में अपने घर-आंगन को प्राकृतिक खुशबू और आकर्षक फूलों से सजाना चाहते हैं, तो रजनीगंधा का पौधा जरूर लगाएं.

बरसात में डैंड्रफ और खुजली से हैं परेशान?

फिटकरी का घरेलू उपाय बालों को देगा राहत

फिटकरी में एंटीसेप्टिक और एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं, जो स्कैल्प को साफ रखने में मदद कर सकते हैं. यदि इसे सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए, तो यह सिर की गंदगी कम करने और डैंड्रफ की समस्या से राहत दिलाने में सहायक हो सकती है.

इस उपाय के लिए सबसे पहले एक गिलास पानी में छोटी-सी फिटकरी का टुकड़ा डालकर अच्छी तरह घोल लें. जब फिटकरी पूरी तरह घुल जाए, तो इस पानी को बाल धोने के बाद आखिरी रिंस के रूप में इस्तेमाल करें. इसे कुछ मिनट तक स्कैल्प पर रहने दें और फिर सामान्य पानी से धो लें. सप्ताह में एक या दो बार इसका उपयोग पर्याप्त माना जाता है.

अगर बाल रूखे और बेजान लगते हैं, तो नारियल तेल में चुटकीभर फिटकरी का बारीक पाउडर मिलाकर हल्के हाथों से स्कैल्प की मालिश की जा सकती है. कुछ समय बाद किसी माइल्ड शैंपू से बाल धो लें. इससे स्कैल्प की सफाई के साथ बालों को नमी भी मिल सकती है. हालांकि फिटकरी की मात्रा बहुत कम रखें, क्योंकि अधिक मात्रा बालों और त्वचा को रूखा बना सकती है.

ध्यान रखें कि फिटकरी हर व्यक्ति की त्वचा के लिए समान रूप से उपयुक्त नहीं होती. यदि आपकी स्कैल्प संवेदनशील है या पहले से कोई एलर्जी, घाव या त्वचा संबंधी बीमारी है, तो इसका उपयोग करने से पहले पैच टेस्ट करें या त्वचा विशेषज्ञ की सलाह लें. यदि इस्तेमाल के बाद जलन, लालिमा या खुजली बढ़ जाए, तो तुरंत इसका प्रयोग बंद कर दें.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं.

खबरें गांव की...

पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष ने खुद को गोली से उड़ाया

कानपुर. उत्तर प्रदेश के कानपुर के पीपीएन कॉलेज के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष आलोक सिंह (50) ने खुद को गोली से उड़ा दिया। बताया जा रहा है कि कोरोना काल के दौरान 2021 में उनके बड़े बेटे की मौत हो गई थी। वह तभी से तनाव में रहा करते थे। पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष मंगलवार की शाम अपने कमरे में गए और दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। बुधवार सुबह जब देर तक उनके कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो परिवारवालों को चिंता हुई। वे दरवाजा तोड़कर अंदर गए। अंदर बिस्तर पर उनका खून से लथपथ शव पड़ा था। घटना, कानपुर के हनमंत विहार थाना क्षेत्र के बसंत विहार की है।

पत्नी की गोली मारकर हत्या फिर बेटे पर भी ताना तमंचा, खुद आत्महत्या की कोशिश

शाहजहांपुर. शाहजहांपुर में गांव मोहलिया वीरान में मंगलवार शाम जमीन के बंटवारे को लेकर नाराज वृद्ध ने खेत से लौट रही पत्नी की तमंचे से गोली मारकर हत्या कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घेरा तो आरोपी ने पुलिसकर्मियों और फिर नाती पर तमंचा तान दिया। आखिर में उसने खुद को गोली मार ली। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बेटे ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। खुद गांव निवासी हरपाल के चार बेटे नरोत्तम, जंगबहादुर, पप्पू और नन्हे व दो बेटियां रामगुनी और रामदेवी हैं। बताया गया कि हरपाल का पत्नी 63 वर्षीय लक्ष्मी देवी से आए दिन विवाद होता रहता था।

नशीला दूध पिलाकर पत्नी ने घोंट दिया पति का गला, पत्नी और उसका प्रेमी गिरफ्तार

इटावा. यूपी के इटावा में प्रॉपर्टी डीलर आनंद उर्फ महबूब की हत्या का पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। पत्नी ने उन्हें दूध में बेहोशी की दवा मिलाकर पिलाई और प्रेमी के साथ मिलकर अंगौछे से गला कसकर मौत के घाट उतार दिया। घटना को आत्महत्या दर्शाने के लिए दोनों ने अंगौछे को पंखे के कुंडे से फंसा दिया ताकि फांसी लगाने का शक हो।

मंगलवार को पुलिस ने पत्नी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। एसएसपी बृजेश श्रीवास्तव ने बताया कि सिविल लाइन थाना क्षेत्र के तोड़ा गांव में प्रॉपर्टी डीलर 35 वर्षीय आनंद उर्फ महबूब की मौत का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में पिता सुघर सिंह ने अपनी बहू आशिकी और उसके प्रेमी शिवम राजपूत पर बेटे आनंद की हत्या का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपित आशिक को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने पूरी वारदात कबूल कर ली। आशिकी ने बताया कि उसने अपने प्रेमी शिवम के साथ मिलकर पति की हत्या की है। उसका पति प्रेम-संबंधों का विरोध करता था और कुछ दिन पहले उन्हीं के कहने पर शिवम के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था।

भारत पर 100% टैरिफ लगा सकता है अमेरिका

- रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर कार्रवाई की तैयारी
- संसद में बिल पेश
- 5 देश निशाने पर

वाशिंगटन. अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर शिकंजा कसने की तैयारी शुरू कर दी है। अमेरिकी सीनेट में एक बिल पेश किया गया है, जिसमें भारत, चीन समेत पांच देशों पर 100% टैरिफ लगाने का प्रस्ताव है। इसमें हंगरी, स्लोवाकिया और अजरबैजान भी शामिल हैं।

बिल के मुताबिक, इन देशों से आने वाले सामान पर 100% तक टैरिफ लगाया जा सकेगा। साथ ही रूस की ऊर्जा, वित्तीय और रक्षा व्यवस्था पर भी नए प्रतिबंध लगाने का प्रावधान है। इससे पहले बिल के शुरुआती मसौदे में 500% टैरिफ लगाने का प्रस्ताव था, लेकिन बाद में इसे घटाकर 100% कर दिया गया।

अगर यह बिल पास हो जाता है, तो अमेरिका पहली बार किसी देश पर सिर्फ इसलिए टैरिफ लगाएगा, क्योंकि वह रूस से तेल खरीदकर उसकी कमाई बढ़ा रहा है। इस कदम का मकसद रूस के तेल कारोबार पर आर्थिक दबाव बनाना और उसकी युद्ध लड़ने की क्षमता कमजोर करना है।

भारत ने पिछले महीने आधे से ज्यादा तेल रूस से खरीदा

भारत ने जून 2026 में रूस से रिकॉर्ड 26.1 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल खरीदा, जो देश के कुल तेल आयात का 52.4% था। यानी पिछले महीने भारत में आयात होने वाले हर दो बैरल तेल में एक से ज्यादा बैरल रूस से आया।

रूस लगातार भारत का सबसे बड़ा तेल सप्लायर बना हुआ है। मई के मुकाबले जून में रूस से तेल आयात में करीब 39% की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

यूरोपीय देशों को टैरिफ में राहत देगा अमेरिका

- सीनेट में पेश बिल के तहत 15 यूरोपीय देशों को प्रस्तावित 100% टैरिफ से छूट दी गई है। इन देशों को राहत इसलिए दी गई है, क्योंकि ये रूस से 15% से कम प्राकृतिक गैस खरीदते हैं और धीरे-धीरे उस पर अपनी निर्भरता भी कम कर रहे हैं।
- डेमोक्रेट सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने कहा कि यह बिल यूरोपीय सहयोगियों के खिलाफ नहीं है। इसका निशाना सिर्फ वे देश हैं, जो अब भी रूस के तेल कारोबार को सबसे ज्यादा आर्थिक सहारा दे रहे हैं।
- बिल में रूस के ऊर्जा उद्योग, वित्तीय संस्थानों, रक्षा औद्योगिक ढांचे, कारोबारियों और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन तक पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव है।

भारत के खिलाफ US-चीन की साजिश?

- नेपाल के पास पकड़े गए अमेरिकी के पास मिला चीनी पासपोर्ट

महाराजगंज. नेपाल बॉर्डर के पास पकड़े गए अमेरिकी नागरिक को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक आरोपी जॉर्डन ब्राउन कैलिफोर्निया का रहने वाला है, लेकिन यहां वह अवैध रूप से नेपाल में घुसने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान महाराजगंज जिले से सशस्त्र सीमा बल (SSB) के जवानों ने उसे पकड़ लिया। जांच के दौरान ब्राउन के पास चीनी पासपोर्ट, एआई डिवाइस समेत अन्य कागजात, नेपाली रुपया, धार्मिक किताबें, मोबाइल फोन एवं अन्य निजी चीजें मिली हैं। हालांकि, अभी तक ऐसी कोई जानकारी सामने नहीं आई है, जिससे देश विरोधी गतिविधि की जानकारी मिले। अधिकारियों ने बताया कि सभी एजेंसियां मिलकर उसकी जांच कर रही है। इसमें ब्राउन भारत कैसे पहुंचा और वह कहां-कहां रुका इसकी जांच भी की जाएगी। इसके अलावा वह नेपाल क्यों जाना चाह रहा था? इसको लेकर भी जानकारी जुटाई जाएगी। इसके अलावा उसके पास से मिले सामान की भी जांच की जी रही है।

- श्रीलंका के बाद भारत आया था, पूछताछ के दौरान बोला ब्राउन

अधिकारियों के मुताबिक, शुरुआती पूछताछ में ब्राउन बताया कि वह पिछले साल नवंबर में समुद्र के रास्ते भारत में घुसा था। इससे पहले वह थाईलैंड की यात्रा पर गया था। यहां पर उसका पासपोर्ट खो गया था। थाईलैंड के बाद वह श्रीलंका की यात्रा पर गया। यहां पर कुछ दिन पहने के बाद वह नवंबर में भारत आया और फिर तब से गोवा में रह रहा था। गोवा में करीब 6 महीने गुजारने के बाद वह नेपाल जाने वाला था लेकिन तभी उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

चीनी पासपोर्ट का नहीं खुला राज

स्थानीय पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, अभी तक इस बात का कोई ठोस सबूत नहीं मिला है कि ब्राउन के पास चीनी पासपोर्ट कैसे पहुंचा। उसके पास गिरफ्तारी के दौरान भी कोई वैध दस्तावेज नहीं मिला। इसके चलते भारत में बिना किसी वैध दस्तावेज के एंट्री लेने के लिए उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस फिलहाल इस मामले की जांच कर रही है कि आखिर कैसे एक अमेरिकी नागरिक बिना किसी दस्तावेज के भारत में दाखिल हो गया।

सोनम वांगचुक के लिए भावुक हुए शशि थरूर

- कहा- अनशन छोड़िए, संसद में उठाएंगे आवाज

नई दिल्ली. जंतर मंतर पर आंदोलनरत सोनम वांगचुक को अब कांग्रेस सांसद शशि थरूर का समर्थन मिला है। शशि थरूर ने बुधवार को एक ओपन लेटर लिखकर सोनम वांगचुक से अनशन खत्म करने की गुजारिश की है। इस भावुक पत्र में शशि थरूर ने अनुरोध करते हुए कहा के इस मुद्दे को भूख हड़ताल से नहीं सुलझाया जा सकता और इसीलिए अनशन को यहीं खत्म कर देना चाहिए। साथ ही थरूर ने यह आश्वासन भी दिया कि वे केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे सहित शिक्षा व्यवस्था में बदलाव के मुद्दे को संसद में उठाएंगे।

बता दें कि NEET परीक्षा में हुई कथित अनियमितताओं और धांधली के खिलाफ दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले 25 दिनों से चल रहा प्रदर्शन अब गंभीर मोड़ पर पहुंच गया है। इस आंदोलन में 28 जून से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे मशहूर पर्यावरणविद और एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की तबीयत लगातार बिगड़ रही है। ममता बनर्जी, अखिलेश यादव और अरविंद केजरीवाल सहित विपक्षी दल के कई बड़े नेताओं ने सोनम वांगचुक से अनशन खत्म करने की अपील की है। अब शशि थरूर ने एक भावुक अपील की है।

छात्रों और युवाओं के नाम पत्र शेयर...

थरूर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों और युवाओं के नाम अपना पत्र शेयर किया। उन्होंने अपने निजी जीवन का उदाहरण देते हुए लिखा, "मेरे प्यारे युवा दोस्तों, मैं आज आपके सामने एक राजनेता या सांसद के रूप में नहीं, बल्कि एक ऐसे व्यक्ति के रूप में बात कर रहा हूं, जो आपकी पीढ़ी के साथ हो रहे अन्याय से बेहद दुखी है। यह मेरे लिए व्यक्तिगत विषय है। मेरा जन्म एक मिडिल क्लास फैमिली में हुआ था। मेरे पिता एक अखबार में कर्मचारी थे और मां गृहिणी थीं। उनके ऊपर तीन बच्चों की जिम्मेदारी थीं। हमारे जैसे परिवारों के लिए मेरिट महज नारा नहीं था। स्कॉलरशिप, निष्पक्ष ढंग से होने वाली परीक्षाएं और ईमानदार नतीजे, यही एकमात्र रास्ता था जिससे एक मिडिल क्लास पिता अपने तीन बच्चों के सपनों को पूरा कर सकता था।"

सरकार ने फिर दोहराया- पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण नहीं

- यह विदेश यात्रा के लिए जारी होने वाला डॉक्यूमेंट, 8% से भी कम भारतीयों के पास है

नई दिल्ली. केंद्र सरकार ने एक बार फिर से कहा है कि पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को कहा कि पासपोर्ट अधिनियम, 1967 के मुताबिक भारत सरकार देश से बाहर यात्रा के लिए भारतीय नागरिकों को पासपोर्ट जारी करता है। मंत्रालय ने कहा कि यह एक डॉक्यूमेंट है जो पूरी जांच और वेरिफिकेशन के बाद जारी किया जाता है। इसका संचालन पासपोर्ट अधिनियम, 1967 तथा पासपोर्ट नियम, 1980 के तहत होता है। जायसवाल ने बताया कि देश के 8% से भी कम नागरिकों के पास पासपोर्ट है।

24 जून को पासपोर्ट सेवा दिवस पर विदेश मंत्रालय ने कहा

था कि पासपोर्ट ट्रैवल डॉक्यूमेंट है, नागरिकता का प्रमाण नहीं। यह बयान चुनाव आयोग की SIR प्रक्रिया में पासपोर्ट को नागरिकता के प्रमाण के तौर पर इस्तेमाल किए जाने के सवाल पर दिया गया था। मंत्रालय ने 2013 के बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले का भी हवाला दिया था, जिसमें पासपोर्ट को नागरिकता का प्रमाण नहीं माना गया था।

अधिकारियों ने यह भी बताया था कि पासपोर्ट अधिनियम, 1967 के तहत जनहित में जरूरत पड़ने पर केंद्र सरकार किसी गैर-भारतीय नागरिक को भी पासपोर्ट जारी कर सकती है। इसलिए पासपोर्ट को नागरिकता का अंतिम प्रमाण नहीं माना जाता।

कांग्रेस ने पूछा- कौन सा दस्तावेज नागरिकता का सबूत

- विदेश मंत्रालय के इस बयान के बाद विपक्षी कांग्रेस ने सरकार की आलोचना की थी। पार्टी ने सवाल उठाया कि अगर पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण नहीं है, तो इसे किस आधार पर जारी किया जाता है।
- कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि पासपोर्ट नागरिकता का दस्तावेज नहीं है तो फिर कौन सा दस्तावेज नागरिकता का सबूत है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सरकार उन लोगों की नागरिकता पर सवाल उठाने की जमीन तैयार कर रही है, जिनसे उसकी राजनीतिक असहमति है।

5 मंजिला बिल्डिंग में आग, 2 की मौत

दिल्ली. नोएडा में बुधवार दोपहर 5 मंजिला बिल्डिंग में आग लग गई। हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक बच्चा और एक युवती गंभीर रूप से झुलस गए।

पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि बिल्डिंग में ग्राउंड फ्लोर पर इलेक्ट्रिक स्कूटी चार्ज हो रही थी, इसी दौरान उसमें धमाका हुआ और आग लग गई। देखते ही देखते आग पूरी बिल्डिंग में फैल गई।

फायर ब्रिगेड की 7 गाड़ियां मौके पर पहुंची। बिल्डिंग में रहने वाले करीब 50 परिवारों का रेस्क्यू किया जा रहा है। घटना के वीडियो भी सामने आए हैं। इसमें दिख रहा है कि दो इमारतों की छतों के बीच सीढ़ियां लगाई गई हैं। इन्हीं के सहारे लोग दूसरी बिल्डिंग में जा रहे हैं।

अमेरिका ने 7 घंटे तक ईरान पर बम बरसाए

- सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया
- ईरान का बहरीन, कुवैत, जॉर्डन में अमेरिकी बेस पर अटैक

तेहरान. अमेरिका ने मंगलवार रात लगातार चौथे दिन ईरान पर हमले किए। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) के मुताबिक, करीब सात घंटे तक चले ऑपरेशन में होर्मुज स्ट्रेट के आसपास ईरान के मिसाइल और ड्रोन ठिकानों, नौसैनिक संसाधनों और कोस्टल डिफेंस सिस्टम को निशाना बनाया गया।

उधर, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने दावा किया कि उसने जवाबी अभियान शुरू करते हुए बहरीन, कुवैत और जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले किए हैं। IRGC ने बहरीन के अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट बेस और जॉर्डन के अजराक एयरबेस को निशाना बनाने का भी दावा किया।

इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर तेहरान समझौते के लिए आगे नहीं आया, तो अगले हफ्ते बिजलीघरों और पुलों को भी निशाना बनाया जाएगा। दूसरी ओर, ईरान ने साफ कर दिया है कि वह अमेरिकी दबाव के आगे नहीं झुकेगा और होर्मुज स्ट्रेट पर अपनी रणनीति जारी रखेगा।

UK की व्हिस्की, कारें और ब्यूटी प्रोडक्ट्स सस्ते मिलेंगे

- भारत-UK के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट लागू

नई दिल्ली. भारत में UK की कारें, व्हिस्की, कपड़े और फुटवियर आज से सस्ते मिलेंगे। आज से भारत-UK के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट लागू हो गया है। यानी अब भारत के 99% सामानों को UK में जीरो टैरिफ पर निर्यात किया जाएगा। वहीं UK के 99% सामान 3% एवरेज टैरिफ पर आयात होंगे। इससे 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार दोगुना होकर 120 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। करीब 3 साल में 14 राउंड की बातचीत के बाद 24 जुलाई 2025 को वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और ब्रिटिश व्यापार मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स ने पीएम नरेंद्र मोदी और ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर की मौजूदगी में इस समझौते पर साइन किए थे। इस व्यापार समझौते के लागू होने से पहले भारत में UK की हाई कमिश्नर लिंडी कैमरन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा, 'उल्टी गिनती शुरू हो गई है! UK और भारत इस बात पर सहमत हैं कि फ्री ट्रेड एग्रीमेंट 15 जुलाई से लागू हो जाएगा। यह आधुनिक यूके-भारत पार्टनरशिप के लिए ऐतिहासिक पल है।

कांवड़ यात्रा के बाद श्रीकृष्ण जन्मभूमि में कारसेवा का ऐलान

- अखाड़ा परिषद बोला- अयोध्या की तरह मथुरा में जुटेंगे संत

हरिद्वार. अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद अब हरिद्वार के संत समाज ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि, मथुरा को लेकर आंदोलन की तैयारी तेज कर दी है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने कहा कि कांवड़ मेला खत्म होने के बाद कार सेवा की तिथि घोषित की जाएगी।

मंगलवार को निरंजनी अखाड़े की बैठक हुई। इसके बाद रविंद्रपुरी महाराज ने कहा, 'सभी संतों ने आह्वान किया है कि 'चलो मथुरा चलें'। जैसे अयोध्या में साधु-संत और महात्मा बड़ी संख्या में पहुंचे थे, उसी तरह अब मथुरा में भी सभी संत-महात्मा और श्रद्धालु पहुंचेंगे।'

उन्होंने कहा कि कार सेवा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को भी आमंत्रित किया जाएगा। कांवड़ मेला 30 जुलाई से 11 अगस्त तक चलेगा।

रविंद्रपुरी महाराज ने कार सेवा को लेकर कहा, 'बिल्कुल, कार सेवा होगी। देशभर के साधु-संत, महात्मा और श्रद्धालु इसमें शामिल होंगे। जिनकी भी श्रीकृष्ण जन्मभूमि में आस्था है, वे सभी वहां पहुंचेंगे। हमारा प्रयास है कि मंदिर निर्माण का कार्य जल्द शुरू हो।'

उन्होंने कहा कि यह आह्वान केवल कुछ संतों का नहीं, बल्कि पूरे सनातन समाज का है। 'सभी की आवाज है- 'चलो मथुरा चलें'।

स्पेन 16 साल बाद फुटबॉल वर्ल्डकप फाइनल में

- फ्रांस को 2-0 से हराया
- ओयारजाबाल ने पेनल्टी पर गोल किया
- पोरो ने बढ़त दोगुनी की

स्पेन 16 साल बाद फुटबॉल वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंच गया है। टीम ने पहले सेमीफाइनल में फ्रांस को 2-0 से हराकर दूसरी बार फाइनल में जगह बनाई। डलास स्टेडियम में मिकेल ओयारजाबाल ने 22वें मिनट में पेनल्टी पर पहला गोल किया। इसके बाद 58वें मिनट में पेड्रो पोरो ने गोल दागकर स्पेन की जीत पक्की कर दी। स्पेन 2010 के बाद फाइनल खेलेगा। तब टीम ने फाइनल में नीदरलैंड को 1-0 से हराकर अपना इकलौता वर्ल्ड कप जीता था। वहीं, फ्रांस 2018 और 2022 के बाद लगातार तीसरी बार वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचने से रह गया।

- यमाल पर फाउल, ओयारजाबाल ने पेनल्टी पर दिलाई बढ़त

स्पेन को 22वें मिनट में पेनल्टी मिली। फ्रांस के डिफेंडर लुकास डिग्ने ने बॉक्स के अंदर लामिन यमाल पर फाउल कर दिया। इसके बाद रेफरी ने पेनल्टी दे दी। मिकेल ओयारजाबाल ने गेंद को गोलपोस्ट के दाएं कोने में भेज दिया। इसके साथ ही स्पेन ने 1-0 की बढ़त बना ली। यह ओयारजाबाल का टूर्नामेंट में पांचवां गोल रहा।

- पोरो ने दूसरा गोल कर फ्रांस की वापसी की उम्मीद खत्म की

दूसरे हाफ में फ्रांस बराबरी की कोशिश करता रहा, लेकिन 58वें मिनट में पेड्रो पोरो ने दानी ओल्मो के शानदार पास पर गोल कर स्पेन की बढ़त 2-0 कर दी। इसके बाद स्पेन ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और फ्रांस को कोई बड़ा मौका नहीं दिया।

लगातार तीसरा फाइनल खेलने से चूका फ्रांस

पूरे टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में रहे किलियन एम्बाप्पे इस मुकाबले में स्पेन की मजबूत डिफेंस के सामने असर नहीं छोड़ सके। उन्हें कई बार ऑफसाइड मिला और दूसरे हाफ में येलो कार्ड भी मिला। फ्रांस 2018 और 2022 के बाद लगातार तीसरी बार वर्ल्ड कप फाइनल खेलने का मौका गंवा बैठा।

अब बिना कनेक्शन भी मिलेगा LPG सिलेंडर

- चंद मिनटों में बुकिंग और डिलीवरी

नई दिल्ली. अब आप बिना कनेक्शन के ही कुछ ही मिनटों में एलपीजी सिलेंडर घर मंगा सकेंगे। दरअसल, क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म इंस्टामार्ट (Instamart) ने हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (HPCL) के साथ साझेदारी कर देश की पहली ऑन-डिमांड LPG सिलेंडर डिलीवरी सर्विस शुरू की है। इसके तहत ग्राहक इंस्टामार्ट ऐप के जरिए घर बैठे LPG

सिलेंडर ऑर्डर कर सकेंगे। बता दें कि इंस्टामार्ट, ऑनलाइन फूड डिलीवर करने वाले प्लेटफॉर्म स्विगी का प्लेटफॉर्म है।

- कनेक्शन की जरूरत नहीं

इंस्टामार्ट और HPCL की साझेदारी के तहत हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने अपना नया 'HP Navya' 10 किलोग्राम का कंपोजिट LPG सिलेंडर भी लॉन्च किया है। इसके अलावा ग्राहक मौजूदा 5 किलोग्राम के मेटल LPG सिलेंडर का भी ऑर्डर कर सकेंगे। अहम बात है कि इस सर्विस के लिए LPG कनेक्शन होना जरूरी नहीं होगा। यानी छात्र, नौकरीपेशा लोग, किराए पर रहने वाले और छोटे परिवार भी बिना पारंपरिक घरेलू गैस कनेक्शन के सिलेंडर मंगा सकेंगे। इस सुविधा की शुरुआत बेंगलुरु से हो रही है।

पहली बार ऑर्डर करने पर केवाईसी जरूरी

- पहली बार सिलेंडर ऑर्डर करने वाले ग्राहकों को पहचान सत्यापन (KYC) और डिलीवरी से जुड़े जरूरी दस्तावेज पूरे करने होंगे। इसके बाद भविष्य में किए गए ऑर्डर रिफिल माने जाएंगे और डिलीवरी के समय खाली सिलेंडर वापस ले लिया जाएगा। इंस्टामार्ट पर किए गए सभी ऑर्डर HPCL के अधिकृत डिस्ट्रीब्यूटर नेटवर्क के जरिए पूरे किए जाएंगे।
- सिलेंडर की डिलीवरी प्रशिक्षित कर्मचारियों द्वारा सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए की जाएगी। HPCL ने बताया कि HP Navya सिलेंडर को पारंपरिक स्टील सिलेंडर के हल्के और जंग-रोधी विकल्प के तौर पर पेश किया है। इसकी बॉडी पारदर्शी है, जिससे यूजर गैस का लेवल देख सकते हैं। कंपनी ने कहा कि इसका कॉम्पैक्ट डिजाइन अपार्टमेंट, छोटे परिवारों और ऐसे घरों के लिए है जो एक सुविधाजनक सेकेंडरी LPG सिलेंडर चाहते हैं।

सोनम वांगचुक के अनशन पर दिल्ली हाईकोर्ट में अर्जेंट सुनवाई

- कोर्ट ने केंद्र-दिल्ली सरकार से जवाब मांगा
- वांगचुक 18 दिन से भूख हड़ताल पर, सेहत बिगड़ी

नई दिल्ली . दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल को बहुत जरूरी माना। केंद्र और दिल्ली सरकार से गुरुवार सुबह तक जवाब मांगा है।

हाईकोर्ट ने यह सुनवाई एक जनहित याचिका पर की। इसमें वांगचुक को तुरंत मेडिकल सुविधा और इलाज देने की मांग की गई है।

वांगचुक NEET पेपर लीक और परीक्षाओं में गड़बड़ी के खिलाफ दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले 18 दिन से भूख हड़ताल पर हैं। उनकी हालत लगातार गिरती जा रही है। 8:50 किग्रा तक वजन गिर गया है।

सरकार सोनम वांगचुक को तुरंत इमरजेंसी ट्रीटमेंट, जीवनरक्षक उपचार और जरूरी पोषण उपलब्ध कराए। साथ ही सरकार उनके आंदोलन से जुड़े मुद्दों पर बातचीत भी शुरू करे।

भूख हड़ताल के बाद से सोनम वांगचुक का करीब 8.25 किलो वजन घट गया है। उन्हें लो ब्लड शुगर, चक्कर, ज्यादा कमजोरी और मांसपेशियां कमजोर होने जैसी दिक्कतें हो रही हैं।किसी की जान खतरे में होने पर सरकार चुप नहीं रह सकती।

जज की कुर्सी पर काला जादू करने का आरोप

- 65 साल की महिला गिरफ्तार
- केस का फैसला अपने पक्ष में कराना चाहती थी

कर्नाटक के चिक्कबल्लापुर में 65 साल की महिला मंजुला को जज की कुर्सी पर काला जादू करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोप है कि महिला लंबित पारिवारिक सिविल केस का फैसला अपने पक्ष में कराना चाहती थी। पुलिस के मुताबिक, घटना 9 जुलाई की है। मामला 14 जुलाई को सामने आया।

जज की कुर्सी पर सरसों के दाने बिखेरे

पुलिस के मुताबिक, 9 जुलाई सुबह करीब 9:40 बजे फर्स्ट एडिशनल सीनियर सिविल जज एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी की अदालत में हुई। आरोप है कि महिला कोर्ट रूम में दाखिल हुई और जज की मेज पर 'पूजा' किए हुए सफेद सरसों के दाने बिखेर दिए।

संक्षेप...

प्रेमी के लिए पति की हत्या, शव के किए 3 टुकड़े

नवी मुंबई. नवी मुंबई के ऐरोली इलाके में एक सनसनीखेज हत्याकांड का खुलासा हुआ है, जहां प्रेम संबंध में बाधा बन रहे पति की हत्या कर पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर शव के तीन टुकड़े कर दिए और उन्हें अलग-अलग स्थानों पर फेंक दिया। करीब 11 महीने तक छिपी रही इस वारदात की गुत्थी आखिरकार रबाले एमआईडीसी पुलिस ने सुलझा ली। पुलिस ने हत्या के आरोप में मृतक की पत्नी सुनीता कुशवाह (40) और उसके प्रेमी राहुल दशरथ प्रजापति (30) को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान बलीराम सूर्यनाथ कुशवाह (50) के रूप में हुई है।

क्या NDA में जाएंगे शरद पवार?

- फडणवीस से सीक्रेट मीटिंग के बाद बढ़ीं अटकलें

मुंबई. महाराष्ट्र की सियासत में एक बार फिर बड़ा उलटफेर देखने को मिल सकता है. NCP के दोनों गुटों के वरिष्ठ नेताओं ने मंगलवार देर रात मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ एक गुप्त बैठक की. इस सीक्रेट मीटिंग के बाद अब शरद पवार के अगले कदम को लेकर राजनीतिक अटकलें तेज हो गई हैं.

एनसीपी (एसपी) के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने पहले शरद पवार के 'सिल्वर ओक' आवास पर जाकर सुप्रिया सुले और शरद पवार से मुलाकात की थी. इसके तुरंत बाद वो मुख्यमंत्री के सरकारी आवास 'वर्षा' पहुंचे. जिसके बाद से कई तरह की अटकलें लगाई जाने लगी हैं.

हालांकि, जयंत पाटिल ने दावा किया कि ये मुलाकात सिर्फ सांगली के विकास कार्यों के सिलसिले में थी. वहीं, कुछ ऐसी खबरें भी हैं कि सत्तारूढ़ एनसीपी गुट के नेता सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल भी पहले 'सिल्वर ओक' पर मौजूद थे. इसके बाद इन सभी नेताओं ने अलग-अलग मुख्यमंत्री से मुलाकात की और बाद में 'वर्षा' पर एक जॉइंट मीटिंग भी की.

- विधायकों का एनडीए में शामिल होने का दबाव

बता दें कि एनसीपी (एसपी) में पहले ही घमासान मचा है. पार्टी के 10 में से कम से कम आधे विधायक सरकारी फंड और अपने क्षेत्रों के विकास कार्यों की मंजूरी के लिए बीजेपी के नेतृत्व वाले NDA में शामिल होने का दबाव बना रहे हैं. जयंत पाटिल ने भी हाल ही में अपने विधायकों के इस रुख को स्वीकार भी किया था. हालांकि, पार्टी प्रमुख शरद पवार ने इस मुद्दे पर अभी तक पूरी तरह चुप्पी साध रखी है.

बदले समीकरणों के बीच नए विकल्पों पर विचार

ये हाई-प्रोफाइल बैठक ऐसे समय में हुई है जब सत्तारूढ़ एनसीपी गुट को सुनेत्रा पवार के पार्टी अध्यक्ष चुने जाने के खिलाफ कानूनी नोटिस मिला है. इसके अलावा, हाल ही में उद्धव ठाकरे गुट (शिवसेना UBT) के 6 सांसदों ने फंड मिलने की आसानी के लिए एकनाथ शिंदे की शिवसेना का दामन थाम लिया था. इसके बाद से ही एनसीपी (एसपी) में भी कांग्रेस में विलय करने या फिर एनडीए में शामिल होने को लेकर मंथन चल रहा है.
भले ही महाराष्ट्र में एनसीपी (एसपी) 10 विधायकों और 8 लोकसभा सांसदों के साथ एक छोटा दल है, लेकिन केंद्र में परिसीमन विधेयकजैसे बड़े कानूनों को पास कराने के लिए बीजेपी को अतिरिक्त मतों की जरूरत है. ऐसे में संसद में शरद पवार गुट की ताकत एनडीए के लिए बेहद अहम है. सूत्रों के हवाले से ऐसी खबरें भी हैं कि एनसीपी (एसपी) इस बिल का समर्थन करेगी.

बाढ़ में डूबे 10 वर्षीय बच्चे के परिवार की तरफ सरकार ने बढ़ाया हाथ

भिवंडी. शहर में म्हाडा कॉलोनी का 10 वर्षीय आतिफ इरफान शेख भिवंडी शहर की सीमा से बहने वाली कामवारी नदी में कचरा फेंकने गया और बरसात से आई बाढ़ में 4 जुलाई को पानी में गिरने से उसकी मृत्यु हो गई। इस घटना से परिवार के साथ-साथ पूरे इलाके में भी सनसनी फैल गई है। विधायक महेश चौघुले द्वारा परिवार को सरकारी सहायता की मांग करते हुए पत्र लिखने के बाद, सरकार ने मृतक आतिफ इरफान शेख के परिवार को जिला आपातकालीन निधि से 4 लाख रुपये देने की घोषणा की। विधायक महेश चौघुले के शुभ हाथों से मृतक आतिफ इरफान शेख के पिता को चेक सौंपा गया। इस अवसर पर उप तहसीलदार आदेश म्हात्रे, मंडल अधिकारी शैलेश भोजने, ग्राम राजस्व अधिकारी संजीवनी वानखेड़े और रितेश टावरे उपस्थित थे। इसके साथ ही, तालुका के सोनटक्के गांव के रहने वाले 47 वर्षीय संतोष परशुराम भगत के परिवार को भी विधायक की ओर से 4 लाख रुपये की सहायता राशि मिली है, जिनकी नदी में डूबने से मृत्यु हो गई थी।

4 दिनों से नहीं उठाया जा रहा कचरा

- डंपिंग ग्राउंड पर कचरा डालने का विरोध
- हर जगह लगा कचरे का अंबार

भिवंडी. शहर के चविंद्र रामनगर स्थित डंपिंग ग्राउंड पर कचरा डालने की कोशिश कर रहे एक डंपर की चपेट में आने से तीन साल की बच्ची शनाया अब्दुल हक की मौत हो गई। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों का गुस्सा भड़क गया और उन्होंने यहां मनपा के कर्मचारियों के केबिन को जला दिया और डंपर को आग लगा दी। इसके बाद स्थानीय लोगों ने यहां डंपिंग ग्राउंड का कड़ा विरोध किया. जिसके बाद पिछले चार दिनों से शहर का कचरा नहीं उठाया गया. शहर में हर जगह कचरे के ढेर लग गए हैं, जिससे हर जगह बदबू और गंदगी फैल रही है।

पिछले तीन दिनों से, प्रशासन के सामने यह सवाल है कि घंटागाड़ियों से शहर का कचरा उठाने के बाद उसे कहां फेंका जाए। इस वजह से फ्लाईओवर के नीचे सड़क के किनारे कचरा जमा हो गया है, जिससे इलाके में बदबू और गंदगी फैल रही है। इस वजह से लोगों को ऐसी सड़कों से गुजरते समय नाक बंद करनी पड़ती है। फिलहाल मनपा प्रशासन वार्ड कमेटी के हिसाब से बनाए गए कचरा कलेक्शन सेंटर पर कचरा जमा कर रहा है। लेकिन जगह की कमी के कारण यहां भी कचरा जमा हो गया है।

यहां हुए हादसे में जान गंवाने वाले बच्चों के परिवारों को मुआवजा दिया जाना चाहिए। इस जगह पर कचरा ले जाने वाली खराब गाड़ियों को तुरंत रोका जाना चाहिए और हर गाड़ी के साथ एक क्लीनर होना चाहिए। यहां के डंपिंग ग्राउंड की कैपेसिटी खत्म हो गई है, इसलिए इसे तुरंत बंद किया जाना चाहिए, ऐसी मांगें स्थानीय नगरसेवक रोहिदास वाघमारे ने मंगलवार को हुई मीटिंग में मनपा प्रशासन के सामने रखीं।

जब इस बारे में मनपा प्रशासन द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी लेने की कोशिश की गई, तो हमने कमिश्नर अनमोल सागर, डिप्टी कमिश्नर हेडक्वार्टर विक्रम दराडे और पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट के हेड फैजल टाटली से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कामयाबी नहीं मिली.

खिड़की की ग्रिल से गिरने पर दो बच्चे गंभीर रूप से घायल

भिवंडी. भिवंडी शहर के वार्ड नंबर 4 के दीवान शाह दरगाह रोड इलाके में रविवार शाम एक भयावह हादसा हुआ। चार मंजिला इमारत की दूसरी मंजिल पर स्थित एक फ्लैट की खिड़की की लोहे की ग्रिल पर खेल रहे दो बच्चे अचानक गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल बच्चों का फिलहाल ठाणे के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, दीवान शाह दरगा रोड स्थित हुसैन आर्केड बिल्डिंग की दूसरी मंजिल पर अफजल आलमगीर शाह रहते हैं।

उनके घर गैबीनगर से रिश्तेदार आए हुए थे। उनके साथ आए दो बच्चे, अब्दुल रहमान और असद, जिनकी उम्र 8 और 10 साल है, फ्लैट की खिड़की पर लगी लोहे की ग्रिल पर खेल रहे थे। इसी दौरान अचानक लोहे की ग्रिल टूट गई और दोनों बच्चों के साथ ग्रिल सीधे जमीन पर गिर पड़ी। इस घटना को देखकर इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय नागरिकों ने तुरंत सहायता के लिए पुलिस को बुलाया दोनों घायल बच्चों को तुरंत घटनास्थल से ले जाया गया और इलाज के लिए पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

दोनों को ठाणे के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। दुर्घटना में दोनों बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए और उनका इलाज चल रहा है। इस घटना से इलाके में चिंता का माहौल बन गया है। पुरानी इमारतों की खिड़कियों और गैलरी में लगी लोहे की जाली की सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं।

770 ग्राम वज़न वाले बच्चे के लिए फरिश्ता बना सिविल अस्पताल

ठाणे. जिला सिविल अस्पताल में 770 ग्राम वज़न वाला और सिर्फ़ 29 हफ़्ते में पैदा हुआ। बच्चा ज़िंदा रहने के लिए जूझते हुए सिविल अस्पताल के शिशु विभाग ने उसे माँ जैसा प्यार और लेटेस्ट इलाज दिया। ढाई महीने की लगातार कोशिशों के बाद, बच्चे का वज़न एक किलोग्राम 130 ग्राम हो गया है, और यह एक सरकारी सरकारी अस्पताल में स्वास्थ्य सुरक्षा की एक प्रेरणा देने वाली मिसाल बन गया है। 22 अप्रैल, 2026 को सिविल अस्पताल में एक महिला ने बच्चे को जन्म दिया। बच्चा सिर्फ़ 29 हफ़्ते में पैदा हुआ था और बहुत प्रीमैच्योर था। क्योंकि जन्म के समय उसका वज़न सिर्फ़ 770 ग्राम था, इसलिए उसे तुरंत नियोनेटल इंटेंसिव केयर यूनिट (SNCU) में भर्ती कराया गया।सिविल सर्जन डॉ. कैलाश पवार, अतिरिक्त सिविल सर्जन डॉ. धीरज महानगड़े की गाइडेंस में डॉक्टर, नर्स और स्वास्थ्य कर्मियों ने चौबीसों घंटे बच्चे पर कड़ी नज़र रखते रहे और ज़रूरी ट्रीटमेंट जारी रखा। हर दिन बच्चे का एक नया टेस्ट होता था। सांस की बीमारी, दवा, इन्फेक्शन से बचाव, सही न्यूट्रिशन और लगातार मेडिकल देखरेख की वजह से बच्चे की हालत धीरे-धीरे बेहतर होती गई। ट्रीटमेंट का पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिलने से बच्चे का वज़न बढ़ा है और आज वह एक किलोग्राम 130 ग्राम हो गया है। परिवार ने कहा कि यह बच्चे के लिए बहुत सुकून देने वाला रहा है। हर साल, ठाणे सिविल अस्पताल के नियोनेटल डिपार्टमेंट में कई कम वज़न वाले और प्रीमैच्योर बच्चों का सफल इलाज किया जाता है। मॉडर्न मेडिकल सुविधाओं, ट्रेंड एक्सपर्ट डॉक्टरों, अनुभवी नर्सों और स्वास्थ्य कर्मियों की कोशिशों से कई बच्चों को नई ज़िंदगी मिल रही है।

गैर-कानूनी तरीके से पार्क लावारिस गाड़ियों को ज़ब्त करें

- विपक्षी नेता शानू पठान की मांग

ठाणे. मनपा के सभी नौ प्रभाग समिति की हद में कई जगहों पर बिना इजाज़त के लावारिस गाड़ियां पार्क की गई हैं। इन गाड़ियों के मालिक पिछले कई महीनों से इन गाड़ियों को देखने तक नहीं आए हैं। पुलिस की मदद से इन गाड़ियों को ज़ब्त किया जाना चाहिए, यह मांग विपक्ष नेता अशरफ शानू पठान और नगरसेविका मर्जिया पठान ने मनपा आयुक्त सौरव राव से मिलने के बाद की।मनपा क्षेत्र के कई जगहों पर सड़क किनारे कबाड़ के ढेर लगी गाड़ियां पार्क की गई हैं। इन गाड़ियों के मालिक अपनी गाड़ियों को देखने तक नहीं जाते हैं। इन लावारिस गाड़ियों में बड़ी संख्या में दोपहिया और चारपहिया वाहन शामिल हैं। इन गाड़ियों में कबाड़ का ढेर लगा है, इसलिए लोग इनके आसपास कचरा फेंक रहे हैं। इसलिए, जहां भी ये लावारिस गाड़ियां हैं, वहां कचरे के ढेर लगे हैं। नतीजतन, मानसून में बीमारियां फैलने का खतरा है। क्योंकि ये गाड़ियां सड़क के दोनों तरफ खड़ी हैं, इसलिए ट्रैफिक जाम भी लग रहा है। इसके अलावा, क्योंकि इन गाड़ियों के पीछे बैठकर ड्रग्स भी लिए जाते हैं, इसलिए क्राइम बढ़ने का खतरा है। इसलिए, ठाणे पुलिस कमिश्नर से बात करके शहर के अलग-अलग हिस्सों में एक खास कैंपेन चलाया जाना चाहिए और तीन महीने से ज़्यादा समय से एक ही जगह पर खड़ी गाड़ियों को ज़ब्त किया जाना चाहिए, पठान ने मांग की है।इस बीच, इन गाड़ियों को पार्क करने वाले गाड़ी मालिकों को ढूंढकर उनसे पार्किंग रेट के हिसाब से जुर्माना वसूला जाना चाहिए और इन गाड़ियों को कबाड़ में बेच दिया जाना चाहिए।

आम सूचना

हम मोहम्मद हुसैन सिध्दीक शेख व सैजहां मोहम्मद हुसैन शेख सभी को सूचित कर रहे हैं कि रुम, दुर्गामाता कालोनी, चाल नं. 4, रुम नं. 1, अंबरनाथ गांव, दुर्गा देवी पाड़ा, उल्हासनगर- 5 (टैक्स नं. 57डीओ019981800) उक्त प्रॉपर्टी हमने श्रीमती मुन्नी विश्वनाथ गुप्ता व श्री विश्वनाथ गुप्ता से सेल एग्रीमेंट 14.7.2026 सी.नं. 3087 को खरीदी है। इन्होंने उपरोक्त प्रापर्टी श्री मनोज मेवालाल चौहान व विनोद मेवालाल चौहान से सेल एग्रीमेंट 2.9.2021 को खरीदी थी। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
मोहम्मद हुसैन सिध्दीक शेख
व सैजहां मोहम्मद हुसैन शेख

आम सूचना

हम श्री जैकी उत्तमचंद चावला व श्री चंदन उत्तमचंद चावला सभी को सूचित कर रहे हैं कि शिव पैलेस, तीसरा माला, बैरक नं. 197, रुम नं. 1, साधुबेला स्कूल के पास, उल्हासनगर- 1 (टैक्स नं. 17एआय019707900) उक्त प्रॉपर्टी श्री शिवलदास नाइकराम चावला से सेल एग्रीमेंट 10.12.2012 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री जैकी उत्तमचंद चावला
व श्री चंदन उत्तमचंद चावला

सोनाक्षी का पपराजी पर निकला गुस्सा

कहा- जब तक आप नहीं जाओगे, मैं...

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा पपराजी पर भड़क गईं। दरअसल, सोनाक्षी हमेशा पपराजी के साथ मस्ती मजाक करती हैं, लेकिन इस बार उन्होंने पपराजी को सबक सिखाया। उन्होंने अपनी कार में बैठने से मना कर दिया और कहा कि जब तक पपराजी तस्वीरें लेना बंद नहीं करेंगे और पीछे नहीं हटेंगे तब तक वो अपनी कार में नहीं बैठेंगी।

आखिर हुआ क्या?

रविवार को सोनाक्षी सिन्हा, अभिनेत्री आकांक्षा रंजन और निर्देशक शरण शर्मा के वेडिंग रिसेप्शन में शामिल होने पहुंची थीं। जब वे फंक्शन खत्म होने के बाद बाहर निकलने लगीं, तो पपराजी ने उन्हें घेर लिया और लगातार तस्वीरें क्लिक करने लगे। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में सोनाक्षी पपराजी को टोकते हुए कहती हैं, 'बस, अभी गाड़ी के अंदर नहीं... हो गया। थैंक यू, बाय, गुड नाइट।' जब पपराजी इसके बावजूद पीछे नहीं हटे, तो सोनाक्षी ने सख्त लहजे में कहा, 'जब तक आप नहीं जाओगे, मैं कार में नहीं बैठूंगी।' उनके इस कड़े रुख को देखकर पपराजी ने कैमरे बंद किए और पीछे हट गए।

सोनाक्षी ने ऐसा क्यों किया?

दरअसल, सोनाक्षी की इस नाराजगी के पीछे एक हालिया घटना है। कुछ ही दिनों पहले उनके माता-पिता, दिग्गज अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा और पूनम सिन्हा, एक रेस्टोरेंट में डिनर करने गए थे। जब वे बाहर निकलकर कार में बैठने की कोशिश कर रहे थे, तब पपराजी ने उन्हें पूरी तरह घेर लिया था और रास्ता नहीं दिया। माता-पिता के साथ हुई इस बदसलूकी और प्राइवेसी में दखल को लेकर सोनाक्षी काफी आहत थीं और इसी वजह से उन्होंने रिसेप्शन के बाहर पपराजी को सख्त चेतावनी दी।

डेमोलिशन वेस्ट मैनेजमेंट पोर्टल का उद्घाटन

ठाणे. मनपा क्षेत्र के अंतर्गत में निकलने वाले कंस्ट्रक्शन और डेमोलिशन वेस्ट के असरदार, ट्रांसपेरेंट और साइंटिफिक मैनेजमेंट के लिए C&D वेस्ट मैनेजमेंट पोर्टल बनाया है। इस पोर्टल का उद्घाटन आज मनपा आयुक्त सौरभ राव ने किया। एयर पॉल्यूशन से जुड़ी सूट नंबर 3/2023 में हाई कोर्ट के निर्देशों के अनुसार, ठाणे ने काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर के साथ मिलकर कंस्ट्रक्शन एंड डेमोलिशन वेस्ट मैनेजमेंट पोर्टल बनाया है। इस अवसर पर इंजीनियर प्रशांत सोनाग्रा, असिस्टेंट डायरेक्टर अर्बन प्लानिंग कुणाल मुले, उपायुक्त मधुकर बोडके, पी. चीफ एनवायरनमेंट ऑफिसर विद्या सावंत, एनवायरनमेंटल एक्सपर्ट और काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर के प्रतिनिधि मौजूद थे। इस पोर्टल के ज़रिए, ठाणे मनपा एरिया में कंस्ट्रक्शन और डेमोलिशन के काम से निकलने वाले वेस्ट को प्रोडक्शन से लेकर ऑथराइज़्ड प्रोसेसिंग प्लांट तक असरदार, ट्रांसपेरेंट और साइंटिफिक तरीके से मैनेज किया जा सकेगा। यह पोर्टल महाराष्ट्र सरकार के बिल्डिंग प्लान मैनेजमेंट सिस्टम से जुड़ा है, और कंस्ट्रक्शन की परमिशन लेते समय, डेवलपर्स के लिए वेस्ट फीस देना, वेस्ट मैनेजमेंट प्लान जमा करना और निकलने वाले और प्रोसेस किए गए वेस्ट की जानकारी ऑनलाइन रजिस्टर करना ज़रूरी होगा। यह सिस्टम कंस्ट्रक्शन वेस्ट के बिना इजाज़त डिस्पोज़ल को रोकने में मदद करेगा और धूल और हवा के प्रदूषण को कम करने में भी असरदार होगा। यह पोर्टल नालियों में जमा होने वाले कंस्ट्रक्शन वेस्ट और मानसून के दौरान बाढ़ की समस्या को कम करने में भी बहुत मददगार होगा। यह पोर्टल कंस्ट्रक्शन वेस्ट की पूरी ट्रैकिंग कर पाएगा, और वेस्ट के साइंटिफिक मैनेजमेंट, रीसाइक्लिंग और पर्यावरण के अनुकूल डेवलपमेंट को बढ़ावा देगा। यह पोर्टल ठाणे शहर में हवा के प्रदूषण को कंट्रोल करने में अहम भूमिका निभाएगा। तेज़ी से शहरीकरण हो रहे शहरों में, कंस्ट्रक्शन और डेमोलिशन वेस्ट का मैनेजमेंट एक बड़ी ज़रूरत बन गया है। ऐसे टेक्नोलॉजी-बेस्ड सिस्टम से वेस्ट को जेनरेशन से प्रोसेसिंग सेंटर तक असरदार तरीके से मैनेज करना मुमकिन होगा और सस्टेनेबल डेवलपमेंट को बढ़ावा मिलेगा। निर्माण कचरे का उचित निपटान न केवल वायु प्रदूषण को कम करने के लिए, बल्कि मानसून के दौरान नालियों के जाम होने, जलभराव और बाढ़ को रोकने के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है। प्रार्थना बोरा, सीईईडब्ल्यू ने कहा कि यह पोर्टल शहर की पर्यावरण और आपदा प्रबंधन क्षमताओं को मजबूत करेगा।

एयर क्वालिटी डिसीजन सपोर्ट सिस्टम (एक्यूडीएसएस) के सफल कार्यान्वयन के बाद, ठाणे नगर निगम और सीईईडब्ल्यू के संयुक्त प्रयासों से विकसित यह दूसरा डिजिटल प्लेटफॉर्म है। पी.ई.ओ. विद्या सावंत ने कहा कि ये दोनों डिजिटल प्रणालियाँ मिलकर ठाणे शहर में निर्माण स्थलों से वायु प्रदूषण को कम करने, पर्यावरण की रक्षा करने और सतत शहरी विकास में तेजी लाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगी।

आम सूचना

मैं श्रीमती हर्षा विशाल तोरने सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम नं. सी-1, नीलम नगर, (मोरे नगर), ब्लॉक नं. ए-71, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 13बीआय015507200) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती ठाकुबाई अल्यास ठागीबाई दोंडीराम कुछे के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 7.1.2026 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती हर्षा विशाल तोरने

आम सूचना

मैं श्रीमती अनिता हरेश पाटील सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, बैरक नं. ए-71 के पीछे, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 13बीआय015517500) उक्त प्रॉपर्टी श्री राजेश मुरलीधर खानचंदानी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 16.12.2024 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती अनिता हरेश पाटील

आम सूचना

मैं श्रीमती स्नेहा सुशील उपाध्याय सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम नं. 2, पहला माला, बैरक नं. 1621, रुम नं. 10, सेक्शन 28, सतरामदास हॉस्पिटल के पीछे, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 47सीआय018778400(पार्ट) उक्त प्रॉपर्टी लता भोजराज हासवानी के नाम पर है। श्री लालजी गौरीशंकर सोनी ने सेल एग्रीमेंट दि. 11.7.2026 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती स्नेहा सुशील उपाध्याय

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099